हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 318, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 12 मई, 2023 दिन शुक्रवार | गाजीपुर/वाराणसी

नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर पीएम मोदी ने रखी कई वैज्ञानिक परियोजनाओं की आधारशिला

2014 के बाद से भारत ने साइंस और प्रौद्योगिकी पर दिया जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल टेक्नोलॉजी डे के अवसर पर कई वैज्ञानिक परियोजनाओं की आधारशिला रखी और स्मारक डाक टिकट व सिक्का भी जारी किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मैं उस दिन को कभी नहीं भूल सकता जब अटल जी ने भारत के सफल परमाणु परीक्षण की घोषणा की थी। इससे भारत ने न केवल अपने वैज्ञानिक सामर्थ्य को साबित किया था बल्कि भारत के वैश्विक कद को भी ऊंचाई दी थी। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से भारत ने जिस तरह से साइंस और प्रौद्योगिकी पर जोर दिया है वह बड़े बदलावों का कारण बना है।

पहले जो साइंस सिर्फ किताबों तक सीमित था वह अब प्रयोग से आगे बढ़कर पेटेंट में बदल रहे हैं। भारत में 10 साल पहले 1 साल में 4 हजार पेटेंट ग्रांट होते थे लेकिन आज इनकी संख्या 30,000 से ज्यादा हो चुकी है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमने जो स्टार्टअप इंडिया अभियान शुरू किया, जो डिजिटल इंडिया अभियान शुरू किया, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई उसने भी प्रौद्योगिक क्षेत्र में भारत की सफलता को और नई ऊंचाई दी। बता दें कि इस कार्यक्रम ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के 25वें वर्ष के उत्सव की शुरूआत को भी चिह्नित किया, जो 11-14 मई तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में वैज्ञानिक और तकनीकी उन्नति से संबंधित 5800 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया।

जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई उनमें लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल-वेव ऑब्जर्वेटरी-इंडिया (एलआईजीओ-इंडिया), हिंगोली; होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, जटनी, ओडिशा; और टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई का प्लेटिनम जुबली ब्लॉक शामिल है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का उत्सव 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों को सम्मानित करने के लिए शुरू किया गया था, जिन्होंने भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी उन्नति के लिए काम किया और मई 1998 में पोखरण परीक्षणों का सफल संचालन सुनिश्चित किया।

मेरठ में भाजपा और रालोद कार्यकर्ताओं में कहासुनी, कानपुर में पार्षद प्रत्याशी बेहोश

नोएडा। उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण में 38 जिलों में मतदान जारी है। इस चरण के लिए 370 निकायों के लिए 6929 विभिन्न पदों पर 39146 उम्मीदवार मैदान में हैं। इन सभी का भाग्य आज ईवीएम और मतपेटिकाओं में बंद होगा।

हाथरस में किन्नरों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया- हाथरस के सिकंदराराऊ में बूथ पर किन्नर वोट डालते नजर आए। वोट करने के बाद उसने अपने पहचान पत्र को दिखाते हुए मताधिकार प्रयोग के महत्व के बारे में बताया। किन्नर ने कहा कि हमारे एक वोट से कोई जीत सकता है, तो एक वोट से हार भी सकता है।

कानपुर में पार्षद प्रत्याशी बेहोश- कानपुर के चकेरी के वार्ड 28 हरजिंदर नगर में फर्जी वोट दिलवाने का आरोप लगाते-लगाते पार्षद प्रत्याशी अंकित कनौजिया बेहोश हुए।

भाजपा मेयर प्रत्याशी हरिकांत अहलूवालिया ने रालोद प्रत्याशियों पर लगाया आरोप- मेरठ के कंकरखेड़ा के तक्षशिला स्कूल पर भाजपा मेयर प्रत्याशी हरिकांत अहलूवालिया, पंडित सुनील और एमएलसी धर्मेंद्र भारद्वाज ने रालोद प्रत्याशियों पर वोटरों को वोट डालने से रोकने का आरोप लगाया है। जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर कहासुनी हो गई।

आग में जलकर 4 लोगों की मौत के बाद गम और गुस्सा, लखनऊ हाईवे पर लगाया जाम

बरेली। बरेली के फरीदपुर में अशोका फोम फैक्टरी के अग्निकांड में मारे गए लोगों के परिवारों में गम और गुस्सा है। मृतक राकेश के भाई भजनलाल ने फैक्टरी प्रबंधन पर बड़ा आरोप लगाया है। भजनलाल का आरोप है कि फैक्टरी मालिक ने खुद आग लगवाई है। यह सब बीमा की रकम वसूलने के लिए किया गया। उधर, आक्रोशित लोगों ने गुरुवार दोपहर को फैक्टरी के सामने लखनऊ हाईवे पर जाम लगा दिया है। हाईवे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी कर दी हैं। इससे शाहजहांपुर की तरफ से आने वाले वाहन एवं बरेली की तरफ से भी आने वाले वाहन हाईवे पर खड़े हैं। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई है। आक्रोशित लोग डीएम और एसएसपी को मौके पर बुलाने की मांग के साथ फैक्टरी प्रबंधन पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि फैक्टरी प्रबंधन हर साल जान बूझकर आग लगवाता है। इस बार भी ऐसा हुआ। लखनऊ हाईवे के किनारे स्थित अशोका फोम फैक्टरी में बुधवार देर शाम लगी भीषण आग में चार मजदूर जिंदा जल गए थे। परिजनों के हंगामे के बाद रेस्क्यू में लगी टीमों ने देर रात उनके अवशेष फैक्टरी के अंदर से निकाले। शर्मनाक बात यह रही कि जब आग लगी तो फैक्टरी प्रबंधन के लोग कीमती सामना बचाते रहे, लेकिन लोगों की जान की परवाह नहीं की। इससे पीड़ित परिवारों में गुस्सा है। आग लगने के बाद प्रबंधन ने बवाल की आशंका भांपकर झुलसे लोगों को बिना नाम पता नोट किए निजी अस्पतालों में भिजवा दिया। फैक्टरी का मेन गेट सुरक्षा गार्डों से बंद करा दिया गया। गुस्साए ग्रामीणों की इस पर गार्डों व प्रबंधन के लोगों से तकरार हुई। पुलिस भी ग्रामीणों के पक्ष में खड़ी दिखा और फिर गेट खुलवाकर इन लोगों को अंदर किया गया। शवों की तलाश का काम इसके बाद शुरू हो सका।

गोरखपुर में बच्चे का अपहरण कर बेरहमी से हत्या, हाथ-पैर बांधने के बाद मुंह में कपड़ा ठूंसकर दबाया गला

गोरखपुर। गोरखपुर जिले में दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां पड़ोसी ने छात्र का अपहरण करने के बाद उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हाथ, पैर बांधने के बाद मुंह में कपड़ा ठूंसकर गला दबाया गया था। देर रात पुलिया के नीचे अचेतावस्था में मिले छात्र को हरपुर-बुदहट थाना पुलिस ने बीआरडी में भर्ती कराया था। अपहरण के आरोपित पड़ोसी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

हरपुर-बुदहट क्षेत्र के गोरेडीह निवासी सत्यनारायण सिंह गीडा की फैक्ट्री में मजदूरी करते हैं। पांच भाई बहनों में चौथे नंबर का उनका 11 वर्षीय पुत्र आयुष सिंह गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन का छात्र था। बुधवार की सुबह 11.30 बजे स्कूल से लौटते समय पड़ोसी रामसिंह अपनी बाइक से लेकर चला गया। देर शाम तक आयुष के घर न पहुंचने पर बहनों ने खोजबीन शुरू की। पता न चलने पर सत्यनारायण को बताया। साथ में पढ़ने वाले गांव के बच्चों से पूछने पर पता चला कि आयुष को रामसिंह अपनी बाइक से ले गया था। सत्यनारायण के पूछने पर उसने जानकारी होने से इंकार कर दिया जिसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी हरपुर-बुदहट थाना पुलिस को देने के साथ ही अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया। आरोपित को हिरासत में लेकर पुलिस ने छानबीन शुरू की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। रामसिंह की निशानदेही पर रात एक बजे कटाई टीकर के पास पुलिया के नीचे आयुष को बरामद किया। उसके दोनों हाथ-पैर बंधे होने के साथ ही मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। अचेतावस्था में पुलिस बीआरडी मेडिकल कालेज ले गई जहां गुरुवार की सुबह आयुष की मृत्यु हो गई। रामसिंह ने आयुष की हत्या क्यों की पुलिस इसकी जांच कर रही है।

हिरासत में लिए गए बसपा प्रत्याशी को भीड़ ने छुड़ाया गड़बड़ी फैलाने का आरोप, पुलिस ने भांजी लाठियां

दोहरीघाट (मऊ)। नगर पंचायत दोहरीघाट में चल रहे चुनाव के दौरान कस्बे के पुराना चौक पर चुनाव प्रेक्षक के साथ भारी संख्या में चल रही पुलिस फोर्स ने बसपा प्रत्याशी त्रिलोकी सोनकर को चुनाव में गड़बड़ी फैलाने का आरोप लगाकर हिरासत में ले लिया। अपनी गाड़ी मे बैठाकर त्रिलोकी सोनकर को थाने ले जा रहे थे। इसकी भनक लगते ही बसपा समर्थकों ने लाहौरी माता चौक के समीप थानाध्यक्ष की गाड़ी को घेर लिया गुस्साई महिलाओं ने पुलिस की गाड़ी से त्रिलोकी सोनकर को छुड़ा कर अपने साथ लेकर चली गईं। समर्थको की भारी भीड़ के सामने पुलिस असहाय दिखी। इस दौरान बाद में पुलिस ने डंडा पटक कर समर्थकों को खदेड़ दिया। उपजिलाधिकारी ने बताया कि पुराना चौक पर बसपा प्रत्याशी मतदाताओ पर वोट के लिए भीड़ लगाकर दबाव बना रहे थे। इसलिए उनको हिरासत में लिया गया था। बसपा प्रत्याशी त्रिलोकी सोनकर का कहना है कि मैं चुपचाप पुराना चौक पर एक मकान मे बैठा था। पुलिस

जबरदस्ती हमें पकड़कर अपने साथ ले गई, जबकि बहुत ही शांतिपूर्ण तरिके से मतदान हो रहा था। सभी प्रत्याशी एक दूसरे से मिलजुल बात भी कर रहे थे। घटना के बाद नगर में अतिरिक्त फोर्स लगा दी गई है। मौके पर सीओ के साथ एसडीएम फोर्स के साथ जमे रहे।

'नैतिकता नहीं, हार की शर्म से बचने के लिए उद्धव ने दिया इस्तीफा', फडणवीस ने किया पलटवार

मुंबई। महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे पर कई तंज कसे। फडणवीस ने कहा कि उद्धव के पास सरकार बचाने का सही नंबर था ही नहीं, इसलिए उनका जाना तय था। देवेंद्र फडणवीस ने आगे उद्धव ठाकरे पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार गिरना तय था, इसलिए उन्होंने इस्तीफा दिया। डिप्टी सीएम ने कहा कि उद्धव को नेतिकता की बात करनी ही नहीं चाहिए, वो उनके मुंह पर सही नहीं लगती। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जीत है और हम सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले से संतुष्ट हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आज महा विकास अघाड़ी की साजिश नाकाम हो गई है। उन्होंने कहा कि अब किसी को भी संदेह नहीं होना चाहिए कि महाराष्ट्र सरकार पूरी तरह से कानूनी है। फडणवीस ने आगे कहा कि नैतिकता की बात करना उद्धव ठाकरे को शोभा नहीं देता। उद्धव को यह बताना चाहिए कि जब उन्होंने एनसीपी और कांग्रेस के साथ सीएम पद के लिए हाथ मिलाया था तो क्या वह अपनी नैतिकता भूल गए थे। उन्होंने नैतिक आधार पर इस्तीफा नहीं दिया था, लेकिन हार के डर के कारण पद छोड़ना पड़ा। सीएम एकनाथ शिंदे ने भी उद्धव ठाकरे के नैतिकता वाले बयान पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि अगर ठाकरे को नैतिकता की इतनी ही पड़ी होती तो वो भाजपा का साथ ही नहीं छोड़ते और हमें बालासाहब का सपना साकार करने के लिए ये कदम उठाना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने आज महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर फैसला सुनाते हुए कहा कि विधायकों को अयोग्य ठहराने का फैसला वो नहीं ले सकते हैं और उन्होंने मामले को 7 जजों की बड़ी बेंच को सौंप दिया।

एटा में भीषण सड़क हादसा, कार ने बाइक व मोपेड सवार को रौंदा, माता-पिता और पुत्र सहित 4 की मौत

एटा। थाना पिलुआ क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर एक कार ने बाइक व मोपेड सवार लोगों को रौंद दिया। दुर्घटना में चार की मृत्यु हो गई। मृतकों में माता-पिता और पुत्र शामिल है। कार सवार चार लोगों के भी चोट आई है। दुर्घटना में जान गवांने वाले एक ही परिवार के सदस्य लोग हाथरस जिले के थाना सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव नगला घासी के रहने वाले हैं। गुरुवार सुबह हाईवे पर स्कार्पियो कार तेज गति से जा रही थी, जिसने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। कार चालक संतुलन खो बैठा और बाइक के पीछे आ रही मोपेड को भी उसने रौंद दिया। दुर्घटना में मोपेड सवार 41 वर्षीय महीपाल सिंह निवासी गदुआ थाना पिलुआ, बाइक सवार 50 वर्षीय हुकुम सिंह और उनकी पत्नी 48 वर्षीय देवी तथा 25 वर्षीय पुत्र बौबी की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दुर्घटना में कासगंज के नदरई निवासी पुष्पेंद्र और सनी कोतवाली देहात एटा के गांव रामनगर निवासी रवींद्र, कार चालक विपिन निवासी गांव

तबालपुर थाना मिरहची घायल हो गए। पुष्पेंद्र और रवींद्र को आगरा रेफर किया गया है। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मृत्यु होने की खबर जब उनके गांव पहुंची तो वहां से तमाम लोग एटा पहुंच गए। पोस्टमार्टम गृह पर कोहराम मचा है। कार चालक विपिन मौका देख कर भाग निकला।

सीएम केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट को कहा- धन्यवाद, अब होगा दिल्ली में तेजी से विकास

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आखिरकार दिल्ली सरकार को प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण का अधिकार दिला ही दिया। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को केंद्र और दिल्ली में प्रशासनिक कामकाज पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना की और इसके साथ ही सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी फैसले को लोकतंत्र की जीत बता है। अधिकारियों ने कहा कि कोर्ट के फैसले के बाद केजरीवाल कई महीनों में पहली बार दिल्ली सचिवालय जाएंगे और अपने मंत्रिमंडल के साथ बैठक करेंगे। कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया कि दिल्ली सरकार के पास काम करने की विधायी और कार्यकारी शक्तियां हैं। आम आदमी पार्टी ने फैसले का स्वागत करते हुए ट्वीट किया। ट्वीट में लिखा कि निर्वाचित सरकार के पास अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार होगा। चुनी हुई सरकार के जरिए ही अधिकारी काम करेंगे। वहीं आप पार्टी ने कहा कि उपराज्यपाल के पास दिल्ली के लोगों के काम को रोकने के लिए अधिकारियों पर कोई शक्ति नहीं होगी। केजरीवाल ने दूसरी ओर दिल्ली के लोगों के साथ न्याय करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का हार्दिक धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि विकास की गति कई गुना बढ़ जाएगी। आप राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने फैसले को एक ऐतिहासिक निर्णय कहा है और उन्होंने भी कहा कि यह एक कड़ा संदेश है। सत्यमेव जयते। दिल्ली की जीत है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय

के ऐतिहासिक फैसले से एक कड़ा संदेश जाता है कि दिल्ली सरकार के साथ काम करने वाले अधिकारी निर्वाचित सरकार के माध्यम से दिल्ली के लोगों की सेवा करने के लिए हैं, न कि शासन को रोकने के लिए हैं। उपराज्यपाल को भी घेरा। वहीं आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और मंत्री आतिशी ने भी फैसले को ऐतिहासिक बताया और कहा कि लंबी लड़ाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल सरकार को उसका हक दिलाया। अब कोई भी दिल्ली की जनता के काम में बाधा नहीं डाल पाएगा। यह ऐतिहासिक फैसला दिल्ली के लोगों की जीत है। अब दिल्ली दोगुनी गति से प्रगति करेगी। सभी को बधाई। दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने ट्वीट कर लिखा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आठ साल तक दिल्ली की जनता के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी। आज जनता जीत गई।

केंद्र बनाम दिल्ली सरकार के मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने कहा कि एक निर्वाचित सरकार को प्रशासन पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। इसने न्यायमूर्ति अशोक भूषण के 2019 के फैसले से सहमत होने से इनकार कर दिया कि शहर की सरकार के पास सेवाओं के मुद्दे पर कोई शक्ति नहीं है। दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार की विधायी और कार्यकारी शक्तियों के दायरे से संबंधित कानूनी मुद्दे की सुनवाई के लिए संविधान पीठ की स्थापना की गई थी।

बघेल ने ईडी पर लगाया आरोप, कहा- मुझे शराब घोटाले में फंसाने की कोशिश कर रही एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर आरोप लगाया है कि वो राज्य के कथित शराब घोटाले में उन्हें फंसाने की कोशिश कर रही है। रायपुर में पुलिस लाइन हेलीपैड पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि ईडी भारतीय जनता पार्टी के एजेंट के रूप में काम कर रही है। सीएम बघेल ने कहा, "हमारा यह दावा सही साबित हुआ है कि ईडी भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहा है। जिस तरह से वह लोगों को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दे रही है, वे अब मुझे कथित आबकारी घोटाले में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका मुख्य उद्देश्य कांग्रेस सरकार को बदनाम करना है।" उन्होंने दावा किया कि भाजपा कांग्रेस सरकार का मुकाबला करने में विफल रही है, इसलिए वह ईडी का दुरुपयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने पूछा कि अगर शराब बनाने वालों ने स्वीकार किया है कि वे उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना शराब बेच रहे हैं, तो ईडी उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है। ईडी ने लगातार प्रेस बयान जारी किए हैं, जिसमें कहा गया है कि डिस्टिलर्स राज्य में उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना शराब बेच रहे थे। अब सवाल उठता है कि अगर वे ऐसा कर रहे थे, तो क्या वे अपराधी बनेंगे या गवाह? डिस्टिलर्स के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई, क्योंकि उन्हें अवैध रूप से लाभ मिला और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। सीएम बघेल ने कहा कि मीडिया ट्रायल में जिस तरह से चीजें सामने आई हैं, उनके (डिस्टिलर्स) खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए थी, लेकिन उनके बजाय दूसरों को गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि ईडी और डिस्टिलर्स के बीच या भाजपा और डिस्टिलर्स के बीच सांठगांठ है। ऐसा लगता है कि भाजपा शराब पीने वालों को बचाने की कोशिश कर रही है।

संपादकीय

जिम्मेदार कौन

कई घटनाएं ऐसी होती हैं, जिनमें लोगों की जान चली जाती है, मगर उसे आमतौर हादसे के तौर पर देखा जाता है और नियति मान कर उससे उपजे दुख को लेकर लोग फिर सहज हो जाते हैं। लेकिन सच यह है कि अगर ऐसे किसी हादसे के भी कारण होते हैं और कई बार ये चूक, लापरवाही, अनदेखी या पैसे कमाने की लालच का नतीजा होते हैं। केरल में मलप्पुरम जिले के तानुर इलाके में एक नाव डूबने से पंद्रह बच्चों सहित बाईस लोगों की जान चली गई। जाहिर है, इसे भी उन हादसों की कड़ी के तौर पर ही देखा जाएगा, जिन्हें किसी चूक का नतीजा माना जाता है। सच यह है कि इस तरह की ज्यादातर त्रासदी से बचा जा सकता है, अगर नियम-कायदों का थोड़ा ध्यान रखा जाए और लोगों की जान की कीमत को समझा जाए। लेकिन न तो वैसे लोगों को यह जरूरी लगता है जो महज कमाई के लिए नियमों और सावधानी के तकाजों को ताक पर रख देते हैं, न ही सरकार के संबंधित महकमों की प्राथमिकता में यह सुनिश्चित कराना होता है। इस लिहाज से देखें तो केरल उच्च न्यायालय ने इस मसले पर एक तरह से बिल्कुल ठीक टिप्पणी की है कि मलप्पुरम की नाव दुर्घटना निष्ठुरता, लालच और अधिकारियों की उदासीनता का घातक परिणाम है। कायदे से देखें तो ज्यादातर ऐसी घटनाओं की जड़ में इसी तरह की वजहें छिपी होती हैं। दरअसल, मलप्पुरम में जो नाव डूब गया, वह किसी अप्रत्याशित या अचानक हुए उथल-पुथल का परिणाम नहीं था, बल्कि उसमें बहुस्तरीय लापरवाही बरती गई थी। खबर के मुताबिक, जिस जगह पर यह दुर्घटना हुई, वहां आम सवारियों के लिए शाम छह बजे तक ही नाव चलाने की इजाजत है। लेकिन वहां एक घंटे बाद यानी शाम सात बजे और क्षमता के मुताबिक निर्धारित संख्या से लगभग दोगुना ज्यादा लोगों को नाव में सवार कर पार कराया जा रहा था। सवाल है कि जो नियम-कायदे तय किए गए हैं, उन पर अमल सुनिश्चित कराना किसकी जिम्मेदारी थी और नियमों को धता बताने की हिम्मत किसी नाव के संचालक में कैसे आई! क्या इस स्थिति के लिए भ्रष्टाचार भी एक बड़ा कारण है? पुलिस ने हादसे के शिकार हुए नाव के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन कानून के पालन को लेकर ऐसी सक्रियता नियमित तौर पर क्यों नहीं दिखती है, ताकि ऐसे हादसे की नौबत ही नहीं आए? विडंबना यह है कि इस बुनियादी पहलू को ध्यान में रखना और उसके मुताबिक पूर्व-सावधानी बरतना किसी को जरूरी नहीं लगता कि अगर पहले भी कोई बड़ी नाव दुर्घटना हो चुकी है और उसमें काफी लोग मारे गए तो उसके मद्देनजर हर हाल में क्या-क्या ध्यान रखा जाना अनिवार्य है। इससे पहले 2009 में केरल के ही थेक्कड़ी में एक नाव हादसा हुआ था, जिसमें पैंतालीस लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में जल परिवहन को विनियमित करने के लिए संगठित प्रयासों की बात शुरू हुई थी। मगर आज भी हालत क्या है, यह जगजाहिर है। केरल में करीब चार हजार अंतर्देशीय नाव चलाए जाते हैं। लेकिन सभी पर्यटक जहाजों के पूरी तरह दुरुस्त होने, नियमों के तहत सुरक्षित संचालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी वाले महकमे खुद कई तरह के अभाव से जूझ रहे हैं। जाहिर है, दिखने में हादसा लगने वाली किसी त्रासदी के लिए नौका मालिक, संचालक और संबंधित महकमों के अधिकारी से लेकर कई स्तरों पर बरती गई लापरवाही, लालच, उदासीन रवैया जिम्मेदार होता है। अगर इस मोर्चे पर वक्त पर सक्रियता नहीं दिखाई गई तो ऐसे हादसों पर लगाम लगा पाना मुश्किल बना रहेगा।

भाषा बहता नीर

यह परिदृश्य आज बदल चुका है और आज हमारे सामने सत्ताई पृष्ठभूमि में अंग्रेजी है। चूंकि वर्तमान दौर में इंटरनेट और हवाई जहाज ने दुनिया को बहुत छोटा सिद्ध कर दिया है, इंटरनेट का विस्तार देश की स्थानीय बहुभाषिक आबादी में बहुत तेजी से हुआ है, इसलिए वैश्विक भाषा अंग्रेजी आज इंटरनेट केंद्रित बाजार और बहुत हद तक डिजिटल प्रशासन के कंधे पर चढ़कर स्थानीय भाषाओं के संक्रमण की गति को बहुत तेज कर चुकी है। यों भी देखा जाए, तो सिर्फ मोबाइल और कोरोना ने सैकड़ों शब्द न सिर्फ हिंदी, बल्कि हमारी स्थानीय भाषाओं तक में दाखिल कराए हैं और अनेक के अर्थ परिवर्तन किए हैं।

हालांकि भाषा में शब्द के अर्थ का संकोच, विस्तार, परिवर्तन समय और संदर्भ के अनुसार होता रहा है, लेकिन आज के अनेक ऐसे परिवर्तन अर्थ-संगति की दृष्टि से द्वैध उत्पन्न कर रहे हैं। हमारे मोबाइल फोन की बैटरी कमजोर हो, तो चार्ज किया जाता है, लेकिन जब इसमें पैसे भरवाने की बात आए, तो यह रिचार्ज हो जाता है। जबकि रिचार्ज की अर्थ-व्याप्ति में पुनः चार्ज करने तक ही सीमित है। एक दौर था जब वायरल शब्द का संदर्भ बहुत नकारात्मक था और इसका व्यापक प्रयोग संक्रामक बीमारियों के संदर्भ में किया जाता था, लेकिन इंटरनेट पर आज अच्छे-खासे पढ़े-लिखे और परिपक्व लोग भी अपने आडियो या वीडियो के साथ वायरल होना चाहते हैं, बल्कि ढेर सारे उत्साहित युवा तो सिर्फ वायरल होने की लालसा लिए रील बनाने के क्रम में अपनी जान भी जोखिम में डाल रहे हैं। हालांकि वायरल के कारण होने वाले बुखार और हैजा आदि से बचने की प्राथमिकता आज भी सबकी होगी। इसी तरह दबंग शब्द भी इसी नकारात्मक अर्थ-छवि के साथ सामने आता था, लेकिन इस शीर्षक के नायकत्व से एक फिल्म बन जाने और राजनीति और सत्ता में गुंडे-बदमाशों की लोकतांत्रिक स्वीकृति ने दबंग बन जाने वालों की भी कमी नहीं है और कई संदर्भों में दबंग अपने व्यापक सकरात्मकता के साथ व्यवहार में है।

हालांकि लोकतांत्रिकता का ही तकाजा है कि अंग्रेजों के खेल क्रिकेट में सबसे शक्तिशाली भूमिका के वाहक बैटमैन अब बैटर हो चला है, क्योंकि यहां महिलाओं ने भी अपनी भूमिका सुनिश्चित कर ली है। यह उसी तरह है जैसे चेयरमैन के बजाय चेयरपर्सन की स्वीकृति मिल रही है। ऐसे में बैटमैन और चेयरपर्सन जैसे शब्दों की मृत्यु स्वाभाविक है। निर्मल वर्मा ने कभी लिखा था कि समाज का सत्य और सातत्य भाषा में बचा रहता है। भाषा में नए शब्दों का बनना और अनेक शब्दों का प्रयोग से बाहर होना भी एक सहज प्रक्रिया है, लेकिन डिजिटल दुनिया ने इस संक्रमण को अपनी धार दी है। ध्यान रहे कि हिंदी का बहुत आदर्श शब्द कुशल जो व्यक्तित्व के अनेक गुणों का परिमापक है, उसकी उत्पत्ति में एक तरह के नुकीले घास कुश को सफलतापूर्वक उखाड़ लेने भर का भाव सीमित था। जबकि आज कुश सहित बड़े-बड़े पेड़ों और पहाड़ों को बुलडोजर से आसानी से उखाड़ दिया जाता है और बुलडोजर को कभी कोई कुशल नहीं कहता है। इस क्रम में यह देखना मजेदार होगा कि नेत्र और नेता दोनों शब्द सहोदर हैं और संस्कृत के नृ धातु से बने हैं, जिसका तात्पर्य है नेतृव करना या दिशा दिखाना।

यह अलग बात है कि आज शरीर में जो आंख का स्थान है, उस भाव में समाज के लोकप्रिय अर्थों में नेताओं की स्थिति नकारात्मक है। लेकिन फिर भी नेतृत्व शब्द को सिर्फ राजनीति तक को सीमित करना ठीक नहीं होगा, क्योंकि आज कोई संस्थान, प्रशासनिक इकाई, सामाजिक समूह और व्यवस्था चल रही है, तो उसके पीछे किसी नेता की सोच या भूमिका जरूर होगी। दरअसल, भाषा की जो सत्ताई अधिक्रमिता बनती है या बनाई जाती है, उसमें एक उच्च वर्ग तो है, जो इन बदलावों को देखता या इनके मध्य से गुजरता है, लेकिन अभी भी दूरस्थ समाजों का एक बड़ा तबका है, जिसके समक्ष यह सब कुछ एक हिंसक भूमिका के साथ आता है। गांव का एक व्यक्ति, जो मुंबई में कोई निजी नौकरी करता था और अपने सेठ के साथ की करीबी को सिद्ध करने के लिए भोजपुरी में जो बताया था, उसका हिंदी अनुवाद यों होगा- मेरे सेठ बात करते हुए जब अंग्रेजी में हंसे, तो मैं समझ गया। शायद गांधी ने सौ साल पहले इसी वर्ग के लिए कहा था कि सारा हिंद गुलामी में घिरा नहीं है। जो पश्चिमी शिक्षा पाए हैं और उसके पाश में आए हुए हैं, वे ही गुलामी से घिरे हैं। असल में कबीर का नीर आज इंटरनेट हो गया है और इसका विस्तार हर वर्ग तक हो रहा है, साथ ही भाषाई संक्रमण भी।

भारत की संस्कृति के लिए बेहद घातक सिद्ध होंगे समलैंगिक विवाह

किसी भी राष्ट्र का अस्तित्व उसकी संस्कृति के कारण बना रह सकता है। संस्कृति नहीं बचेगी तो राष्ट्र नहीं बचेगा। भारती की रीति नीति हिन्दू संस्कृति के अनुकूल होनी चाहिए। यदि ऐसा न हो सके तो शासननीति या कानून कम से कम ऐसा हो जो हिन्दू संस्कृति के लिए घातक न हो। सर्वोच्च न्यायालय में समलैंगिकता के विषय पर चल रही सुनवाई का कोई औचित्य नहीं है। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देना हिन्दू संस्कृति पर कुठाराघात है। समलैंगिक विवाह प्रकृति व संस्कृति के पूर्णतः विरुद्ध है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट को देश के बहुसंख्यक हिन्दुओं की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। समलैंगिक विवाह जैसे पापपूर्ण कृत्य को कानूनी मान्यता देकर हिन्दू संस्कृति की पवित्रता को नष्ट कर राष्ट्र के पतन का बीज न बोया जाये। क्योंकि यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। देश के 99.9 प्रतिशत से अधिक लोग समलैंगिक विवाह के विचार का विरोध कर रहे हैं। समाज में चौतरफा इसकी आलोचना हो रही है। केन्द्र सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में समलैंगिक विवाह को मान्यता देने वाली याचिका पर हलफनामा दाखिल कर इसे मान्यता दिये जाने का विरोध किया है। केन्द्र सरकार ने समलैंगिक विवाह को प्रकृति के विरुद्ध माना है। केन्द्र सरकार का स्पष्ट मत है कि समलैंगिक विवाह को मान्यता नहीं दी जानी चाहिए। इस मामले में कोर्ट का फैसला आने वाली पीढ़ियों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इस मुद्दे पर याचिकाकताओं के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला हमारे देश की संस्कृति और सामाजिक धार्मिक ढांचे के खिलाफ माना जायेगा।

सुप्रीम कोर्ट में समलैंगिक विवाह पर सुनवाई के दौरान केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की खंडपीठ से कहा कि अगर समलैंगिक विवाहों के लिए याचिकाकताओं की दलीलें स्वीकार की जाती हैं, तो कल को कोई यह भी मांग कर सकता है एक ही परिवार में रिश्तेदारों के बीच भी सेक्स की इजाजत दी जाये। सभी धर्म विपरीत जेंडर के बीच विवाह को मान्यता देते हैं। इसलिए अदालत के पास एक ही संवैधानिक विकल्प है कि इस

मामले को संसद पर छोड़ दे। क्योंकि समलैंगिक विवाह को विधिक मान्यता देने को लेकर चल रही सुनवाई के बीच देशभर में विरोध बढ़ता जा रहा है। इससे सांस्कृतिक मूल्यों का हनन होगा। कानून बनाने का अधिकार सिर्फ संसद को है तो न्यायालय इस मामले में हस्तक्षेप न करे। संसद का काम संसद को ही करने दे। समलैंगिक विवाह को मान्यता देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका को निपटाने के लिए जिस प्रकार की जल्दबाजी की जा रही है, वह किसी भी तरह से उचित नहीं है। यह नए विवादों को जन्म देगी और भारत की संस्कृति के लिए घातक सिद्ध होगी। भारत के शीर्षस्थ संत धमार्चार्य और विश्व हिन्दू परिषद ने भी इसका विरोध किया है। विहिप ने कहा है कि इस विषय पर आगे बढ़ने से पहले सर्वोच्च न्यायालय को धर्म गुरुओं, चिकित्सा क्षेत्र, समाज विज्ञानियों और शिक्षाविदों की समितियां बनाकर उनकी राय लेनी चाहिए। विहिप का कहना है कि यदि समलैंगिक विवाह की अनुमति दी गई, तो कई प्रकार के नये विवाद खड़े हो जायेंगे। दत्तक देने के नियम, उत्तराधिकार के नियम, तलाक संबंधी नियम आदि को विवाद के अंतर्गत लाया जाएगा। विहिप ने यह भी चिंता जताई है कि समलैंगिक संबंध वाले अपने आप को लैंगिक अल्पसंख्यक घोषित कर अपने लिए विभिन्न प्रकार के आरक्षण की मांग भी कर सकते हैं। यह ऐसे अंतहीन विवादों को जन्म देगा, जो स्वयं सर्वोच्च न्यायालय के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन सकता है।

जिनको भारत की रीति नीति से प्रीति नहीं है ऐसे लोग भारत की परिवार व्यवस्था को नष्ट करना चाहते हैं। अनेक झंझावातों और विधर्मियों के आक्रमणों को झेलते हए भारतीय संस्कृति और संस्कार आज भी अक्षुण्ण है तो इसका श्रेय हमारी परिवार व्यवस्था को जाता है। परिवार व्यवस्था ही भारत की आधारशिला है। आज समृद्धि बढ़ रही है लेकिन संस्कृति घट रही है। इस कारण परिवार में तरह–तरह की समस्यायें आ रही हैं।

आज विश्व के लिए परिवार की बहुत आवश्यकता है। कई देशों में वहां के राजनीतिक दलों ने अपने चुनावी घोषणापत्र में लिखा है कि हम पारिवारिक मूल्यों को लागू करेंगे लेकिन जब परिवार ही नहीं रहेंगे तो हमें संस्कार कहां से मिलेगा। परिवार ठीक रहेगा तो सब ठीक रहेगा। यदि परिवार नहीं बचेगा तो हमारी संस्कृति भी नहीं बचेगी। परिवार टूटेगा तो राष्ट्र टूटेगा। पति-पत्नी का एकात्म संबंध भारत की परिवार व्यवस्था का केन्द्र-बिन्दु है। परिवार एक ओर तो संस्कृति रक्षा का केन्द्र है, दूसरी ओर यह परम्परा का वाहक और रक्षक है। सारे सांस्कृतिक जीवनमूल्य परिवार के माध्यम से ही एक से दूसरी पीढ़ी को हस्तान्तरित होते हैं। परिवार राष्ट्र की सबसे प्रारंभिक इकाई है। परिवार ही वह इकाई है जो संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाती है। परिवार नामक संस्था विवाह से ही बनती है। हिन्दू परंपरा में विवाह महत्वपूर्ण शास्त्रीय संस्कार है। यह केवल पति पत्नी का ही मिलन मात्र नहीं है। विवाह ही पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्वों का अहसास कराता है। संतानोत्पत्ति इसका उद्देश्य होता है। समलैंगिक विवाह में संतान उत्पत्ति होगी ही नहीं। इससे तो विवाह की मूल अवधारणा खंडित होगी। हिन्दुओं में विवाह एक धार्मिक कार्य है। विवाह केवल यौन इच्छाओं की पूर्ति के लिए ही नहीं होता है। भारत की विवाह संस्था वैदिक काल से भी प्राचीन है। विवाह के बिना व्यक्ति अधूरा है। विवाह से ही व्यक्ति पति बनता है। पिता बनता है। स्त्री भी विवाह के बाद ही माता बनती है।

मिला बड़ा अधिकार!

फैसला है आया ।
मिला बड़ा अधिकार ।।
खुशियां वो मनाने को ।
हैं बैठे तैयार ।।
अब अपने हिसाब से ।
करेंगे थोड़ा काम ।।
ना होगा अब हस्तक्षेप ।
ना कोई बदनाम ।।
दिखना असर जल्द ।
बन रही रणनीति ।।
हो गई है खास ।
है मिली जो जीत ।।
करने पूरे दिल से ।
बचा जो अरमान ।।
घटनाक्रम जो घटित ।
बढ़ गया सम्मान ।।

–कृष्णेन्द्र राय

खालिस्तान समर्थकों के विदेशों में मंदिरों पर हमले को सिख समुदाय इस तरह दे रहे हैं मुंहतोड़ जवाब

ये भारत में बसे सिखों की समझदारी ही कही जाएगी कि भारत में पूरी तरह शांति है जबकि कुछ खालिस्तान समर्थकों द्वारा भारत के बाहर खुराफात जारी है। भारत के बाहर कुछ जगह मंदिरों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे जा रहे हैं। खालिस्तान के बैनर लगाए जा रहे हैं, भारत में जहां खालिस्तान बनाने की मांग चल रही है, वहां सब शांत है। पंजाब पुलिस ने आठ मार्च को अमृतपाल के खिलाफ कार्रवाई की। हालांकि अमृतपाल पुलिस गिरफ्त से निकल भागा, फिर भी पुलिस टीम ने न तो अतिरिक्त बल प्रयोग किया और न ही राज्य का माहौल बिगड़ने दिया। धीरे-धीरे अमृतपाल के करीबियों को गिरफ्त में लेते रहे और उसके चारों ओर शिकंजा कसते रहे। कुछ समय में उसके सारे विकल्प खत्म हो गए। केवल केंद्रीय एजेंसियों ने हर कदम पर पंजाब पुलिस के साथ सहयोग किया बल्कि राज्य और केंद्र सरकारों के बीच भी जबरदस्त तालमेल नजर आया। इसी के कारण वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस ने 36 दिन की फरारी के बाद मोगा जिले में रोडे गांव के गुरुद्वारे से रविवार सुबह अरेस्ट कर लिया। इसके बाद पंजाब पुलिस उसे भठिंडा के एयरफोर्स स्टेशन ले गई। वहां से उसे असम ले जाया गया। उसने 23 फरवरी को अपने एक समर्थक की रिहाई के लिए पंजाब के अमृतसर जिले में अजनाला पुलिस थाने पर हमला किया था। उसके बाद से वह पुलिस के रडार पर आ गया था। 18 मार्च को पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की, लेकिन वह फरार हो गया था।

आठ मार्च को अमृतपाल की घेराबंदी और उसके फरार होने के बाद भारत के बाहर कई जगह खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय दूतावासों पर हंगामें किए। लेकिन पंजाब और केंद्र सरकार के एकजुट प्रयास और पंजाब और भारत में बसे सिखों की समझदारी के कारण भारत में कही कोई विरोध नही हुआ, हांलाकि अमृतपाल की गिरफ्तारी को लेकर पंजाब सरकार ने व्यापक तैयारी की थीं। इतना ही नहीं कुछ देशों खालिस्तान के समर्थन में भारतीय दूतावास पर किए जा रहे प्रदर्शन का विरोध हुआ। अच्छा यह रहा कि प्रदर्शन वालों का सिख समाज इस आंदोलन के पीछे की कहानी जान गया है। वह यह जान गया है कि इस आंदोलन को बढ़ाने के पीछे पाकिस्तान की गुप्तचर संस्था आईएसआई का हाथ है। यही कारण है कि वहां का सिख समाज इन आंदोलनकारियों के विरोध में उतर आया। उसने उन्हीं जगह पर भारत के समर्थन और खालिस्तान के विरोध में प्रदर्शन किया, जहां खालिस्तान के समर्थन में प्रदर्शन हुए थे। नई दिल्ली में ब्रिटिश हाई कमीशन के बाहर सिखों ने खालिस्तानियों के खिलाफ बैनर-पोस्टर लहराए और नारेबाजी की। इसके साथ ही कहा गया कि भारत हमारा स्वा?भिमान है। इन सिखों के मुताबिक- तिरंगे का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसा ही सैन फ्रांसिस्को में हुआ! नई दिल्ली में बड़ी तादाद में सिख ब्रिटिश हाई कमीशन के बाहर जुटे और खालिस्तानियों की हरकत का विरोध किया। उधर, अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में इंडियन कॉन्स्यूलेट पर हमला किया गया। इसका भी भारतीयों ने विरोध किया। विदेशों में बैठे कुछ खालिस्तान के पैरोकार भारत में अपनी दाल न गलती देख विदेशों में अपनी झुंझलाहट निकाल रहे हैं। रात को चोरी छिपे दूसरे कुछ देशों के मंदिरों का अपना निशाना बना रहे हैं।वे ये नही सोच रहे कि उनकी इस नादानी पूर्ण कार्रवाई से सिखी को ही नुकसान पंहुच रहा है । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 23 मई को प्रस्तावित यात्रा से पहले एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया है। खालिस्तानी समर्थकों ने शुक्रवार को पश्चिमी सिडनी के उपनगर रोज हिल में स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर पर हमला किया है। खालिस्तानी समर्थकों ने मंदिर की दीवार पर स्प्रे पेंट से मोदी विरोधी नारे लिखे हैं। खालिस्तान समर्थक ये नही सोच रहे कि वे क्या कर रहे हैं। उससे सिखी का कितना नुकसान हो रहा है। हिंदू और सिख एक हैं। सिख धर्म की स्थापना मुस्लिम शासकों से हिंदुओं की रक्षा के लिए सिख गुरुओं ने की थी।उसी का परिणाम यह है कि बड़ी तादाद में हिंदू गुरुद्वारों में जाकर माथा टेकतें हैं। ये मंदिरों पर नारे लिखने वाले यह नही सोच रहे कि इन खालिस्तान समर्थकों की हिंदू मंदिरों पर लिखे जा रहे नारों और तोड़फोड़ से हिंदू नाराज हो जाएगा। वह गुरुद्वारों में जाने से बचने लगेगा।ऐसा होने से सिखी का ही नुकसान होगा। हिंदू और सिखों में दूरी बढेगी। अभी दिंसबर तक लेखक अमेरिका में था। लेखक ने अपने बेटे से वहां गुरुद्वारे में जाने की इच्छा जताई। बेटे के मित्र ने कहा कि कहां जा रहे हैं अंकल। वहां से खालिस्तान को बढ़ावा मिल रहा है। हांलाकि बेटे के दोस्त की बात मेरे मन में नही उतरी, क्योंकि अमृतपाल प्रकरण को लेकर सिख समाज ने खुद ही साबित कर दिया कि वह इसका पक्षधर नही है। विदेशों में भी खालिस्तान समर्थकों का सिखों ने ही विरोध किया। एक बात साफ है कि पाकिस्तानी गुप्तचर संस्था चाहती है कि हिंदू और सिखों में दूरी बढ़े, इन कुछ खालिस्तान समर्थकों के प्रयास से कुछ समय के लिए दूरी हो सकती हैं, किंतु सदा के लिए हिंदू और सिखों को अलग नही किया जा सकता। ये दोनों आपस में मिले-जुले हैं।

वाराणसी में आईसीआईसीआई बैंक की एक नई शाखा का वाराणसी आयुक्त कौशल राज शर्मा ने किया उद्घाटन

बैंक में एटीएम सह कैश रिसाइकलर मशीन है जो 24 घंटे उपलब्ध है -दिग्विजय सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आईसीआईसीआई बैंक ने गुरूवार को वाराणसी के मकबूल आलम रोड में एक नई शाखा शुरू की है शहर में बैंक की यह 12वीं शाखा है` बैंक ग्राहकों को नकद जमा और निकासी सेवाएं प्रदान करने के लिए शाखा में एक एटीएम सह कैश रिसाइकलर मशीन (सीआरएम) है मशीन चौबीसों घंटे उपलब्ध है` कौशल राज शर्मा (आईएएस) आयुक्त वाराणसी मंडल ने बैंक शाखा का किया उद्घाटन` इस मौके पर यूपी यूके 2 के जोनल हेड विकास सबरवाल वाराणसी के रीजनल हेड दिग्विजय सिंह और आईसीआईसीआई बैंक के ब्रांच मैनेजर श्री प्रकाश राय उपस्थित रहे

` उद्घाटन के दौरान राजेंद्र गोयनका, कुशाग्र अग्रवाल,डॉ के पी सिंह (शुभम अस्पताल) आशुतोष द्विवेदी, राकेश गुप्ता, श्री पवन माहेश्वरी और अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे` शाखा कार्ड सेवाओं के साथ बचत और चालू खातों, सावधि और आवर्ती जमा, ऑटो ऋण, स्वर्ण ऋण और व्यक्तिगत ऋण सहित खातों, जमा और ऋण की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है` शाखा ग्राहकों को लॉकर सुविधा भी प्रदान करती है यह सोमवार से शुक्रवार और महीने के पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक संचालित होता है` उत्तर प्रदेश में बैंक की 344 शाखाओं और 1161 एटीएम का विस्तृत नेटवर्क है आईसीआईसीआई बैंक शाखाओं, एटीएम, कॉल सेंटरों, इंटरनेट बैंकिंग (www.icicibank.com) और मोबाइल बैंकिंग के मल्टी-चैनल डिलीवरी नेटवर्क के माध्यम से अपने बड़े ग्राहक आधार की सेवा करता है ` आईसीआईसीआई बैंक शाखाओं, एटीएम, कॉल सेंटरों, इंटरनेट बैंकिंग (www.icicibank.com) और मोबाइल बैंकिंग के मल्टी-चैनल डिलीवरी नेटवर्क के माध्यम से अपने बड़े ग्राहक आधार की सेवा करता है।

कैरियर काउंसिल के माध्यम से तनाव दूर करने का दिया टिप्स

सकलडीहा। चंदौली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पर बुधवार को चौथे दिन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से चयनित राजकीय माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक व प्रवक्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान कैरियर काउंसिल के माध्यम से तनाव दूर करने का दिया टिप्स बताया गया। प्रशिक्षण में कुल 143 शिक्षक व प्रवक्ताओं ने प्रतिभाग किया। संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ प्रदीप कुमार सिंह नोडल अधिकारी के निर्देशन में डायट पर राजकीय शिक्षकों का छः दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण संचालित है। प्रशिक्षण के दौरान संदर्भदाता लिली श्रीवास्तव ने कैरियर काउंसिल के माध्यम से तनाव दूर करने के बारे में जानकारी दिया। वही जयन्त कुमार सिंह ने कमजोर बच्चों को कैसे उपचारात्मक शिक्षा के बारे में बताया। इसके पूर्व हरवंश यादव द्वारा लर्निंग आउटकम के माध्यम से उपलब्धि आकलन के बारे में जानकारी दी। अंत में राजश्री सिंह ने शिक्षण में खेलकूद और उसका जीवन में क्या महत्व है के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। राजेश सिंह ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 बताया । डायट प्राचार्य डा० माया सिंह ने प्रशिक्षण के माध्यम से मिलने वाली फीडबैक को शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) उ०प्र० लखनऊ को भेजने की बात कही। इस मौके पर वरिष्ठ प्रवक्ता प्रिया पाण्डेय, प्रशिक्षण समन्वयक- डा रोशन सिंह, डा जितेंद्र सिंह, बैजनाथ पांडेय,कमर अयूब, केदार सिंह यादव, हरबंस यादव, स्वाति राय,मंजू कुमारी, स्वाति राय, वरुणेन्द्र तिवारी मौजूद रहे।

विद्युत उपकेंद्र पर संविदा कर्मियों ने किया साफ-सफाई

चहनियां। चंदौली। चहनियां स्थित विद्युत उपकेंद्र पर झाड़ झंखाड़ व गंदगी के अंबार को बुधवार को विद्युत उपकेंद्र पर तैनात आधा दर्जन से अधिक संविदा कर्मियों ने साफ सफाई किया। यहां बाउंड्री न होने से पालतू जानवर आकर गंदगी फैलाते है। चहनियां स्थित विद्युत उपकेंद्र पर झाड़ झंखाड़ व गंदगी का अंबार है। जेई रितेश कुमार के निर्देश पर यहां एसएसओ सुभाष यादव के नेतृत्व में तैनात संविदा कर्मियों संजय गुप्ता,रमेश विश्वकर्मा, शिवमोहन शर्मा, राकेश कुमार, सतीश यादव, लक्ष्मन सोनकर, चंद्रशेखर आदि ने विद्युत उपकेंद्र पर झाड़ झंखाड़ व गंदगी को फावड़ा से साफ किया। विद्युत उपकेंद्र के चारो तरफ बाउंड्री न होने से छूटे जानवर कैम्पस के अंदर घुसकर गंदगी कर रहे है। जेई रितेश कुमार ने बताया कि साफ सफाई के लिए हमेशा निर्देशित किया जाता है।

प्रशस्ति पत्र देकर किया गया बेहतरीन सेवा के लिए एंबुलेंस कर्मियों का सम्मान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा आमजन को निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा देने का लगातार दावा किया जाता है। इसी के क्रम में 102 एंबुलेंस जो आधी आबादी के स्वास्थ्य सुविधा के लिए उनके घर से अस्पताल और अस्पताल से उनके घरों तक पहुंचाने का काम पायलट और ईमटी के माध्यम से किया जाता है। जिसके चलते जनपद में 102 एंबुलेंस के पायलट और ईमटी के क्विक रिस्पांस के चलते कई गर्भवती का सफल डिलेवरी एंबुलेंस के अंदर भी कराया गया। बहुत सारे गर्भवती का डिलीवरी पास के स्वास्थ्य केंद्र और जिला महिला अस्पताल में भी कराया गया। सब के कार्यों को देखते हुए जनपद में 102 एंबुलेंस में बेहतर कार्य करने वाले ईमटी और पायलट व अन्य को मंडल प्रभारी सुमित कुमार दुबे और जिला प्रभारी दीपक राय और प्रोजेक्ट मैनेजर संदीप चौबे के द्वारा बुधवार को जिला अस्पताल स्थित कार्यालय में सम्मानित किया गया। जिला प्रभारी दीपक राय ने बताया कि जनपद में मौजूदा समय में 108 एंबुलेंस की संख्या

42 और 102 एंबुलेंस की संख्या 37 है। इन्हीं एंबुलेंस के माध्यम से कॉल सेंटर पर कॉल करने के बाद हेल्प डेस्क पर कार्यरत कर्मी की सटीक सूचना पर क्विक रिस्पांस करते हुए ईमटी और पायलट बताए गए लोकेशन पर पहुंचते हैं। वहां से गर्भवती व अन्य को रेस्क्यू करते हुए पास के अस्पताल या जिला अस्पताल तक पहुंचाते हैं। ऐसे ही 102 एंबुलेंस तीन कर्मी को मंडल प्रभारी सुमित कुमार दुबे के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में हेल्प डेस्क इंचार्ज बंदना, पायलट प्रमोद और पायलट मनोज कुमार मौर्य शामिल रहे। उन्होंने बताया कि इस तरह का सम्मान करने के पीछे मुख्य उद्देश्य शासन के द्वारा दी गई सुविधा का शत प्रतिशत लोगों को लाभ मिले। साथ ही कर्मियों के कार्यों में और गुणवत्ता आए जिससे सीख ले कर अन्य पायलट ईमटी व अन्य कर्मी बेहतर करने का कार्य करें।

लड़की से मिलने आए युवक की जमकर पिटाई

आजमगढ़। बरदह थाना क्षेत्र में सोमवार को दिन में लड़की से मिलने आए युवक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। जमकर पिटाई करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जौनपुर जिले के सराय ख्वाजा थाना अंतर्गत कयार गांव निवासी मो. शकील (20) सोमवार को दिन में किसी लड़की से मिलने के लिए बरदह थाना क्षेत्र के बरौना गांव में आया था। इसी दौरान ग्रामीणों को इसकी भनक लग गई। इस पर ग्रामीणों ने उसे घेर कर पकड़ लिया और जम कर पिटाई करने के बाद पुलिस को बुला कर उनके हवाले कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार शकील गांव की किसी लड़की से मिलने के लिए आया था। पुलिस ने ग्रामीणों की पिटाई से घायल युवक को हिरासत में लेकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

संगठन के बल पर संविदा मजदूरों को मिलेगा अधिकार : प्रदेश अध्यक्ष

सकलडीहा। चंदौली। उत्तर प्रदेश विद्युत संविदा मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमला तिवारी का बुधवार को सकलडीहा विद्युत उपकेन्द्र पर संगठन के पदाधिकारियों ने स्वागत समारोह किया। इस दौरान विभिन्न समस्याओं को लेकर संगठन पर चर्चा किया गया। अंत में संविदा मजदूरों की समस्या को लेकर अधीशासी अभियंता से मिलकर अवगत कराया गया। विद्युत संविदा मजदूर सभा के पदाधिकारियों ने कम्प्यूटर आपरेटर, लाइन मैन, एसएसओ का फरवरी 2023 से मानदेय का बकाया भुगतान नही होने पर नाराजगी जताया। इसके साथ ही संविदा मजदूरों को सुरक्षा,ईपीएफ एवं ईएसआई शुरू नही होने की जानकारी दिया।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष कमला तिवारी ने कहा कि संगठन के बल पर संविदा मजदूरों के हक और अधिकार मिल पायेगा। इसके लिये सभी को एकजुट रहने की जरूरत है। अंत में संविदा मजदूरों की समस्या को लेकर अधीशासी अभियंता राजन कुमार से मिलकर अवगत कराते हुए निस्तारण कराने की मांग उठाया। एक्सीईएन ने हर संभव सहयोग का भरोशा दिया। इस मौके पर पूर्वांचल अध्यक्ष संजय सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष राजू अम्बेडकर, ज्योति रावत, चन्द्र प्रकाश पांडेय, राजकुमार, विनय तिवारी, राधेश्याम, आलोक, गुलाब, राजेश विश्वकर्मा, गिरिश, बजरंगी, मुकेश, अशोक, अब्दुल रहमान, शिवमूरत सहित अन्य मौजूद रहे।

जर्जर तारों में हुआ ब्लास्ट, रात में दिवाली जैसा माहौल, घबराए लोग

आजमगढ़। आजमगढ़ के रानी की सराय में बिजली विभाग की लापरवाही के चलते मंगलवार की रात सवा आठ बजे के करीब स्टेशन रोड पर कुछ लोगों की जान बच गई। जर्जर तारों में शॉर्ट सर्किट के कारण तार तेज आवाज के साथ टूटकर जमीन पर आ गिरा। जहां तार गिरा वहीं एक व्यक्ति का मकान है। बाहर टीन शेड डाल रखा है, संयोग ही था कि बाहर कोई नहीं था, नहीं तो किसी का जान भी जा सकती थी। उधर तार में ब्लास्ट के चलते स्टेशन रोड पर दर्जनों मकान की बिजली गुल हो गई। लोगों ने बताया कि इसके पूर्व 16 अप्रैल को भी रेलवे स्टेशन मोड़ पर तारों में फाल्ट से बिजली गुल हो गई थी। इसकी सूचना लोगों ने विभाग को दी। उस दौरान तार जोड़कर आपूर्ति बहाल कर दी गई। लोगों ने जेई से इस तार को बदलने की मांग की। जेई ने जल्द तारों को बदलने का आश्वासन दिया लेकिन आज तक तार नहीं बदला गया।

कार्यक्रम राम रमैया के लिए ऑडिशन में हुआ 12 का चयन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। संस्था ॐ0 कारम् के तत्वावधान में 14 मई को आयोजित "राम रमैया" कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को गंधर्व म्यूजिक एकेडमी गाजीपुर में जनपद के लगभग 93 कलाकारों का ऑडिशन हुआ, देर शाम तक चले ऑडिशन में कुल 12

कलाकारों शिवानी पाण्डेय, श्वेता भारती, विजय विश्वकर्मा, अंकिता कुशवाहा, शास्वत राय, सौरभ पाण्डेय, शाम्भवी उपाध्याय, वैष्णवी राय, यश राज सिंह, संतोष कुशवाहा, हिमांशी कुमारी, दिव्या दुबे, का चयन हुआ। निर्णायक के रूप में मुम्बई से श्री भरत नारंजी ओझा, एवं बनारस घराने से डॉ. आशीष मिश्रा ने ऑडिशन के पश्चात चयनित कलाकारों के नाम की घोषणा की एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नबारून चटर्जी ने सभी चयनित कलाकारों को 14 मई रविवार को पद्मश्री श्री अनूप जलोटा जी के साथ प्रस्तुति हेतु आमंत्रित करते हुए मंगलकामना दिया, संस्था के जिलाध्यक्ष ने बताया कि अनूप जलोटा जी के पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण कार्यक्रम की तिथि एवं स्थान परिवर्तन कर यह आयोजन दिनांक 14 मई रविवार को बंशीबाजार स्थित रघुवंशी पैलेश में होना सुनिश्चित हुआ है। चयनित प्रतिभागियों को विशेष प्रशिक्षण देने के लिए 13 मई को मुम्बई से अनूप जलोटा जी की टीम गाजीपुर में आ जायेगी इस अवसर पर संस्था के सभी पदाधिकारी आशुतोष पाण्डेय, अभयनन्दन पाण्डेय, कुंजबिहारी, शिवम प्रकाश, दिलीप आर्य, सौरभ जायसवाल, कृष्णा नंद आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक समस्याओं के निराकरण हेतु 9 सदस्यीय संघर्ष समिति का हुआ गठन

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की प्रदेश कार्यकारिणी की ऑनलाइन बैठक हुई संपन्न, वाराणसी से शशांक कुमार पांडेय भी होंगे संघर्ष समिति के सदस्य

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश (प्राथमिक संवर्ग) की प्रदेशीय कार्यकरिणी की विशेष बैठक ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह ने की। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री भगवती सिंह ने किया। बैठक में वर्तमान परिवेश में शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण हेतु आंदोलन के संबंध में रणनीति बनाने पर चर्चा की गई।

बैठक में शामिल पदाधिकारियों ने आरटीई एक्ट और माननीय न्यायालय के निर्णयों के बाद भी शिक्षकों को डाटा संकलन, तमाम मोबाइल एप्स के संचालन आदि द्वारा विभिन्न गैर शैक्षणिक कार्यों में उलझा कर तमाम स्वयंसेवी संगठनों को बेसिक शिक्षा में प्रवेश करा कर बेसिक शिक्षा एवं शिक्षकों के खिलाफ कुछ उच्चाधिकारियों द्वारा की जा रही गहरी और लंबी साजिश पर चिंता व्यक्त किया गया।

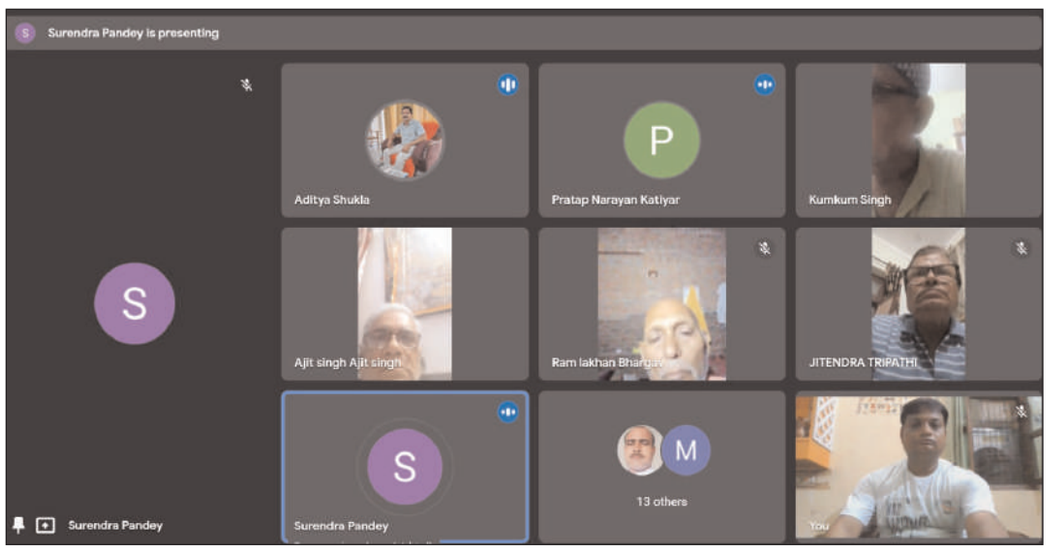

बेसिक शिक्षा में सर्वाधिक योग्य शिक्षक होने के बावजूद उच्च शिक्षाधिकारियों द्वारा जिस ढंग से एनजीओ को बेसिक शिक्षा में प्रवेश कराकर उनके कम शिक्षित कर्मचारियों माध्यम से अपने उच्च शिक्षित एवं प्रशिक्षित शिक्षकों के शैक्षणिक गतिविधियों को नियंत्रित किया जा रहा है वह न केवल बेहद निराशाजनक है अपितु उससे शिक्षक बुरी तरह से कन्फ्यूजन का शिकार हैं` माननीय न्यायालय द्वारा शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखने के लिए लगातार आदेश जारी किए गये हैं लेकिन उसके बावजूद भी पूरे प्रदेश के शिक्षकों को इन उच्चाधिकारियों द्वारा केवल उक्त तमाम गैर शैक्षणिक कार्यों में केवल उलझाने का काम किया जा रहा है वहीं शिक्षकों की वाजिब समस्याओं के समाधान पर किसी तरह का ध्यान नहीं दिया जा रहा है तथा शिक्षक के पदोन्नति,स्थानांतरण एवं समायोजन जैसे विषयों को लगातार विलंबित किया जा रहा है पदोन्नति की स्थिति इतनी खराब है कि पिछले आठ साल में किसी भी शिक्षक को पदोन्नत नहीं किया गया है । जहां कक्षा शिक्षण स्वप्रेरणा और तनाव मुक्त माहौल में होना चाहिए वहीं लखनऊ में बैठे-बैठे ही महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं उनके समक्ष अधिकारियों द्वारा तय किया जा रहा है कि हम शिक्षकों को कक्षा में क्या पढ़ाना है किस तरह पढ़ाना है और कितनी देर पढ़ाना है। इन उच्चाधिकारियों द्वारा शिक्षकों की ज्वलंत समस्याओं को भी ठंडे बस्ते में बड़ी साफगोई से डाल दिया जाता है तथख शिक्षक संगठनों द्वारा शिक्षक समस्याओं के समाधान हेतु दिए गए ज्ञापनों पर भी कोई संज्ञान नहीं लिया जाता है। ऐसे में आवश्यक हो जाता कि संबंधित की कार्यप्रणाली और उससे उत्पन्न विषम स्थिति से व्यथित, चिंतित और कुंठित शिक्षकों की पीड़ा माननीय मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाए।

संक्षिप्त खबरें

मस्तान बाबा का उर्स व मेला में रही जायरीनों की भीड़

प्रखर पिंडरा वाराणसी। क्षेत्र प्रसिद्ध सैयद मस्तान बाबा के मजार काशीपुर ओदार में गुरुवार को आयोजित उर्स व मेला में सुबह से लेकर देर रात तक जायरीनों की भीड़ रही। मजार पर मत्था टेकने व चादर चढ़ाने वालों का तांता लगा रहा। गुरुवार को शुरू गागर चादर की रस्म के साथ शुरू हुई कार्यक्रम देर रात तक चला। इस दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए काफी संख्या में पुलिसबल तैनात रही। उर्स में पूर्वी उत्तर प्रदेश के आजमगढ़, गाजीपुर, चंदौली, भदोही, सोनभद्र जौनपुर समेत अनेक जिलों से भक्त मन्नते पूरी होने पर चादर चढ़ाते दिखे। उर्स व मेला रात्रि भर चला । इस दौरान कौव्वाली का भी प्रोग्राम हुआ। जिसमें एक से बढ़कर एक नज्म, गजल और कव्वाली की पेशगोई हुई । उर्स व मेला कमेटी के प्रबन्धक हारून शाह ने बताया कि सुबह से रात तक हजारो भक्तों ने मत्था टेका और मन्नते मांगी। इस दौरान ग्राम प्रधान शराफत अली, दीपक पांडेय, कुच्चर गोंड़, शेर अली, मेराज शाह, छांगुर शर्मा, साबिर, जावेद व अनीश पांडेय समेत अनेक गणमान्य लोग रहे।

अलग-अलग आरोपों में न्यायालय ने भेजा 4 अभियुक्तों को जेल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद गाजीपुर के मॉनिटरिंग सेल थाना सुहवल पुलिस की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप थाना सुहवल पर पंजीकृत गैर इरादतन हत्या प्रकरण में 01 नफर अभियुक्त मनोज कुमार पांडेय पुत्र गिरजा पांडेय निवासी सुहवल थाना सुहवल जनपद गाजीपुर के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप गुरुवार को माननीय न्यायालय गाजीपुर द्वारा अभियुक्त उपरोक्त को धारा 308 भादवि में चार वर्ष सश्रम कारावास व 5000 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। जबकि मॉनिटरिंग सेल थाना जमानिया पुलिस द्वारा थाना जमानिया पर पंजीकृतदहेज अधिनियम प्रकरण में 03 नफर अभियुक्त क्रमशः प्रद्युम्मन तिवारी उर्फ सूरज तिवारी पुत्र यशवन्त तिवारी निवासी असैचन्दपुर थाना जमानिया के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप माननीय न्यायालय गाजीपुर द्वारा अभियुक्त उपरोक्त को धारा 304 इ भादवि में 10 वर्ष सश्रम कारावास व 10 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया , विजयवाला देवी पत्नी यशवन्त तिवारी निवासी असैचन्दपुर थाना जमानिया जनपद गाजीपुर को 304 इ भादवि में 07 वर्ष सश्रम कारावास व 10 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया तथा यसवन्त तिवारी पुत्र राजनरायन तिवारी निवासी असैचन्दपुर थाना जमानिया जनपद गाजीपुर के साथ उपरोक्त अभियुक्तगण को 498 अ भादवि में अभियुक्तगण को 02-02 वर्ष का सश्रम कारावास व एक-एक हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

नाव पर हुआ काशी रक्त वीर मेवाड़ का वितरण,18 रक्त वीरों ने किया रक्तदान

प्रखर ब्यूरो वाराणसी। मानव रक्त फॉउंडेशन की रक्तदान जनजागरूकता मुहिम के अंतर्गत रक्तदान शिविर व जागरूकता कार्यक्रम सहित नाव पे 'काशी रक्तवीर अवार्ड' वितरण का कार्यक्रम अस्सी घाट पे सम्पन्न हुआ। जिसमें विनय सिंह ,प्रदीप इसरानी ,कुलदीप कनौजिया कैलाश जायसवाल, फादर जॉन पौल, डॉक्टर फैसल, पंकज कुमार पटेल, इशरत उस्मानी इन रक्तवीरो को "काशी रक्तवीर अवार्ड" से अलंकृत किया गया। सर सुंदरलाल हॉस्पिटल के ब्लड बैंक की टीम में आशुतोष सिंह के सुपरविजन में एक घण्टे के अंदर 18 यूनिट रक्तदान कराया। कार्यक्रम की शुरूआत सायं 4:30 बजे से आरम्भ हुआ। प्रथम बार रक्तदान करने वाले युवाओं की भरमार रही। कुल 11 रक्तवीरों के प्रथम बार यह पुनीत कार्य किया। विश्व ज्योति जनसंचार समिति के सहयोग से प्रेरणा कला मंच की टीम ने घाट पे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण व रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस दौरान तमाम प्रबुद्ध समाज सेवी पूर्वांचल भर से आकर वहां मौजूद रहे। आकर्षण का मुख्य बिंदु वह बजड़ा ही था-जिसपे प्रधानमंत्री से विहार कर चुके हैं- जहां माँ गंगा की गोद में उन तमाम रक्तवीरों, रक्तसेवकों, डॉक्टर्स, समाजसेवी व कलाकारों का सम्मान किया गया। नौका विहार भी किया गया। नाव पे न केवल सभी धर्मों के प्रतिनिधि मौजूद रहे बल्कि ट्रांसजेंडर समुदाय, नाविक समुदाय के भी प्रतिनिधियों की सक्रिय मौजूदगी रही। कार्यक्रम के स्पांसर- गंगोश्री हॉस्पिटल, गुरुधाम लेंन 4 के डायरेक्टर-डॉ प्रदीप चौरसिया व जेपी हॉस्पिटल, ककरमत्ता के डायरेक्टर-डॉ अजय गुप्ता भी मौके पे मौजूद रहे। हमेशा की तरह मुख्य व विशिष्टि अतिथि के रूप हमारे रक्तवीर व सम्मानित रक्तसेवक ही मौजूद रहे। मेडल, अंगवस्त्र व ग्लूकोज का पैकेट देकर सबके प्रति आभार व्यक्त किया गया। कहने को तो यह एक रक्तदान शिविर था, किंतु यहां से साम्प्रदायिक सौहार्द; लैंगिक समानता; सामाजिक समरसता व प्रकृति प्रथम का संदेश प्रसारित हुआ।

कमा कर लौट रहे व्यक्ति का बैग गायब

चहनियां। चंदौली। बलुआ थाना क्षेत्र के चहनियां चौराहे पर बुधवार की सुबह उस समय यह हल्ला हुआ कि मध्य प्रदेश से कमा कर अपने घर लौट रहे 50 वर्षीय नीबूल यादव की बैग बदलकर लेकर फरार हो गए। बैग में 35 हजार रुपये सहित कई सामान था। परिजन थाने पहुचकर घटना की जानकारी थाना प्रभारी को दिया। सकलडीहा थाना क्षेत्र के देवरापुर के निवासी वाले नीबूल यादव मध्य प्रदेश में एक राइस मिल में काम करते है। बुधवार को ट्रेन से वाराणसी उतरकर टेम्पू से चहनियां पहुचकर चौराहा पर अपने पुत्र को फोन कर साथ घर जाने के लिए जानकारी दी । पुत्र चहनिया चौराहे पर पहुंचकर अपने पिता को साथ लेने के लिए पहुंचा पिता पुत्र बात कर रहे थे । इसी बीच कुछ खरीदने के लिए पैसा निकालने के लिए जब बैग खोला तो बैग दूसरा निकला । पिड़ित ने बताया कि बैग में 35 हजार रुपये नगदी व कपड़े,कम्बल आदि सामान था। । जो बस में कही बदल गया है । पिड़ित ने बलुआ थाने में इंस्पेक्टर विनय प्रकाश सिंह को जानकारी दिया । इस संदर्भ में इंस्पेक्टर विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि इनका बैग कही बदल गया है । जिसके बारे मे पता किया जा रहा है ।

प्रसूति रोग नवजात मौत मामला

भारत की स्थिति सबसे खराब

केप टाउन (भाषा)। दुनियाभर में प्रसव के दौरान महिलाओं की मौत, मृत शिशुओं के जन्म और नवजात शिशुओं की मौत होने के 60 प्रतिशत मामले 10 देशों में पाए गए हैं और इस सूची में भारत की स्थिति सबसे खराब है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर शिशुओं के जन्म के 51 प्रतिशत मामले जिन 10 देशों में दर्ज किए गए हैं, उनकी सूची में भी भारत शीर्ष पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की रिपोर्ट में प्रकाशित इन आंकड़ों को 'अंतरराष्ट्रीय मातृ नवजात स्वास्थ्य सम्मेलन' (आईएमएनएचसी 2023) के दौरान मंगलवार को जारी किया गया।

प्रसव के दौरान दो लाख 90 हजार महिलाओं की हुई मौत

इन आंकड़ों के अनुसार, 2020-2021 में प्रसव के दौरान दो लाख 90 हजार महिलाओं की मौत हुई, 19 लाख मृत शिशुओं का जन्म हुआ और 23 लाख नवजात शिशुओं की मौत हुई, यानी वैश्विक स्तर पर कुल 45 लाख मौत हुई, जिनमें से भारत में मृतक संख्या 7,88,000 रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान दुनिया भर में पैदा हुए बच्चों में से 17 प्रतिशत शिशुओं का जन्म भारत में हुआ और यह भी मौत की अधिक संख्या का कारण हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, मातृ मृत्यु, मृत शिशुओं के जन्म और नवजात की मौत संबंधी इस सूची में भारत के बाद नाइजीरिया, पाकिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, इथियोपिया, बांग्लादेश और चीन का नंबर है।

उप-सहारा अफ्रीका और मध्य एवं दक्षिणी एशिया में स्थिति सबसे खराब

उप-सहारा अफ्रीका और मध्य एवं दक्षिणी एशिया ऐसे क्षेत्र हैं जहां इस तरह की मौत के मामले में स्थिति सबसे खराब है, लेकिन वैश्विक 2030 के लक्ष्यों को हासिल करने को लेकर हर देश के प्रयास की गति अलग है। अब तक की पहली संयुक्त 'प्रत्येक नवजात कार्य योजना' (ईएनएपी) और 'रोकी जा सकने वाली मातृ मृत्यु दर समाप्ति (एंडिंग प्रिवेंटेबल मैटरनल मॉर्टेलिटी) (ईपीएमएम) रिपोर्ट के अनुसार, गर्भवती महिलाओं, माताओं और शिशुओं की मृत्यु के मामलों को कम करने की दिशा में वैश्विक प्रगति मातृ एवं नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में घटते निवेश के कारण आठ वर्षों से स्थिर रही है।

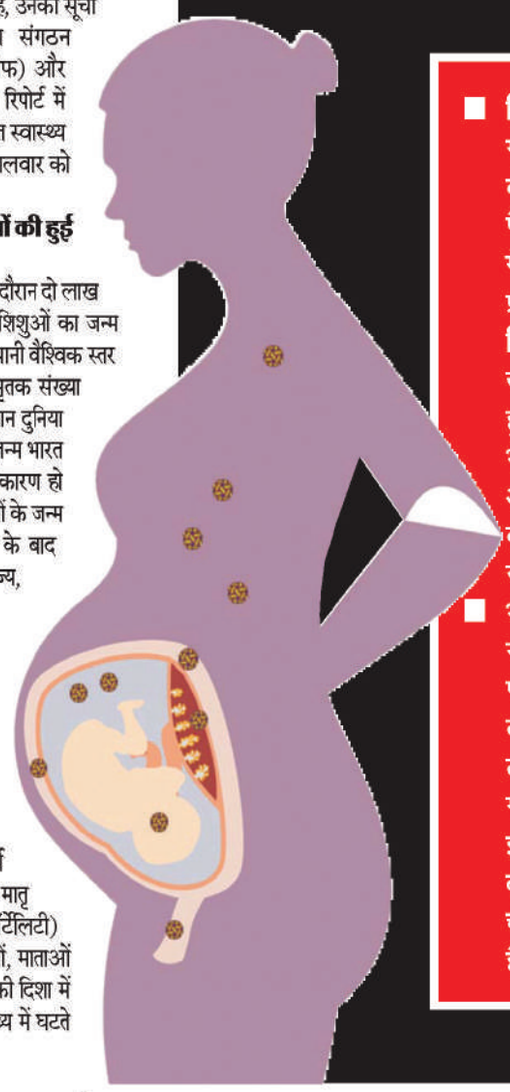

- रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में पैदा हुए बच्चों में से १७ प्रतिशत शिशुओं का जन्म भारत में हुआ और यह भी मौत की अधिक संख्या का कारण हो सकता है
- भारत के बाद नाइजीरिया, पाकिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, इथियोपिया, बांग्लादेश और चीन का नंबर है

प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल में निवेश बढ़ाना होगा

डब्ल्यूएचओ में मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य संबंधी मामलों की निदेशक डॉ अंशु बनर्जी ने कहा, गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की दुनिया भर में उच्च दर से मौत हो रही है, जो अस्वीकार्य है और कोविड महामारी ने उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने की दिशा में रुकावटें पैदा की हैं। उन्होंने कहा, अलग परिणाम देखने के लिए हमें चीजों को अलग तरह से करना होगा।

लॉन्ग कोविड के खतरे बढ़े

अलग आबादी में अलग लक्षण

नई दिल्ली (भाषा)। एक नए शोध में दावा किया गया है कि 'लॉन्ग कोविड' के अलग-अलग आबादी में अलग लक्षण और खतरे होते हैं। इस शोध में इस बात को विशेष तौर पर रेखांकित किया गया है कि 'लॉन्ग कोविड' को सटीक तरह से समझने और बेहतर निदान एवं उपचार सुविधाएं विकसित करने के लिए और अधिक अध्ययन किए जाने की जरूरत है। यह शोध 'नेचर कम्युनिकेशन्स' पत्रिका के हालिया अंक में प्रकाशित किया गया है।

- **शोधकर्ताओं ने पाया कि न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा में कोविड को मात देने वाले मरीजों में आगे चलकर डिमेंशिया, बाल झड़ने, पेट और छोटी आंत में छाले पड़ने, फेफड़ों में खून के थक्के जमने, सीने में दर्द, हृदयगति अनियंत्रित होने और कमजोरी की शिकायत उभरी**

इसमें कोरोना वायरस संक्रमण से उबरने वाले अलग-अलद वर्गों के उन अमेरिकी मरीजों के ऑनलाइन स्वास्थ्य डेटा का विश्लेषण किया गया है, जिनमें ठीक होने के लंबे समय बाद तक भी बीमारी के लक्षण लगातार बने रहे। चिकित्सकीय भाषा में इस स्थिति को ही 'लॉन्ग कोविड' कहते हैं। वेल कॉरनेल मेडिसिन में जन स्वास्थ्य विज्ञान के सलाहकार चेंग्क्सी झांग ने कहा, लॉन्ग कोविड एक नई बीमारी है, जो बहुत जटिल है और जिसका वर्गीकरण करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने कहा, लॉन्ग कोविड कई अंगों को प्रभावित करता है और समाज पर बोझ बढ़ाता है, जिसके चलते इस बीमारी को सटीक तरीके से समझना और अलग-अलग आबादी में इसके असर का आकलन करना बेहद जरूरी है। यह शोधपत्र इस दिशा में और अध्ययन की जरूरत को रेखांकित करता है।

शोध के दौरान शोधकर्ताओं ने न्यूयॉर्क के 1.1 करोड़ और फ्लोरिडा, जॉर्जिया व अल्बामा के 1.68 करोड़ मरीजों के ऑनलाइन स्वास्थ्य डेटा का विश्लेषण किया। उन्होंने कोविड-19 से संक्रमित होने वाले लोगों में पनपी बीमारियों और लक्षणों के बारे में पता लगाया। शोधकर्ताओं ने पाया कि न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा में कोविड-19 को मात देने वाले मरीजों में आगे चलकर डिमेंशिया, बाल झड़ने, पेट और छोटी आंत में छाले पड़ने, फेफड़ों में खून के थक्के जमने, सीने में दर्द, हृदयगति अनियंत्रित होने और कमजोरी की शिकायत उभरी।

अध्यात्म के रंग में रंग जाएगी अयोध्या नगरी

अयोध्या (आईएएनएस)। आध्यात्मिक शहर के रूप में अयोध्या की पहचान और मजबूत होगी। प्रवेश द्वारों, फ्लाईओवर और निजी तथा सरकारी इमारतों की दीवारों को आध्यात्मिक थीम वाले चित्रों से रंगा जाएगा। अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने मंदिरों के इस शहर के प्रमुख मार्गों के डिजाइन, आर्ट वर्क और कांसेप्ट तैयार करने के लिए छात्रों तथा आम लोगों के लिए प्रतियोगिता की घोषणा की है। अधिकारियों ने कहा कि प्रविष्टियां प्राप्त होने के बाद सर्वश्रेष्ठ डिजाइन और कला कार्यों को छांटने और चुनने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

एडीए के उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने कहा, रामायण, भगवान राम के जीवन और अयोध्या (यूपी) के इतिहास के ओवरऑल थीम पर आधारित भित्ति चित्र, मूर्तियां, प्रवेश द्वारों की सजावट और अन्य तत्वों की योजना बनाई जा रही है, जिसमें आधुनिक कलात्मक तकनीक और शैलियों का समावेश किया जाएगा। विजेताओं को प्रमाणपत्र के साथ 10 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। अगले साल राम मंदिर के तैयार होने के बाद शहर की चार प्रमुख सड़कों पर चलने वाले पैदल तथा अन्य यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए प्राधिकरण शहर को पूरी तरह से नया रूप देना चाहता है। राम पथ, जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ और धर्म पथ पर प्रवेश द्वारों के नियंत्रण दिशानिर्देश भी लागू किए जा रहे हैं। इनकी इमारतों, दुकानों और अन्य संरचनाओं की बाहरी दीवारों का लुक और फील एक जैसा होगा।

'द केरला स्टोरी' को बैन करना बिल्कुल गलत : अनुराग

मुंबई (आईएएनएस)। फिल्म मेकर अनुराग कश्यप ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म द केरला स्टोरी पर लगे बैन को लेकर बात की है। कश्यप ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में द केरला स्टोरी के बैन पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट किया, आप फिल्म से सहमत हों या नहीं, चाहे वह प्रचार हो या प्रोपैगैंडा, इस पर प्रतिबंध लगाना गलत है। उन्होंने फ्रांसीसी दार्शनिक वोल्टायर का एक उद्धरण भी साझा किया, जिसमें लिखा था, मैं आपकी बातों से सहमत नहीं हूं, लेकिन मैं इसे कहने के आपके अधिकार की अंत तक रक्षा करूंगा।

द केरला स्टोरी फिलहाल विवादों में है क्योंकि फिल्म के ट्रेलर में दावा किया गया है कि केरल की 32,000 लड़कियां लापता हो गई और आतंकवादी समूह आईएसआईएस में शामिल हो गईं। बाद में फिल्म के मेकर्स ने इसे बदलकर तीन महिला कर दिया। अनुराग कश्यप ने ट्वीट किया कि किसी फिल्म पर प्रतिबंध लगाना बिल्कुल गलत है, भले ही यह प्रोपेगैंडा हो। उन्होंने लोगों से अफवाह देखने को कहा, जो सोशल मीडिया के दुरुपयोग के खिलाफ बात करती है और नफरत और अशांति पैदा करने के लिए निहित पूर्वाग्रह को कैसे हथियार बनाया जाता है। उन्होंने ट्वीट किया, आप दुष्प्रचार से लड़ना चाहते हैं। फिर अफवाह जाकर देखें जो सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर बात करती है। यह सिनेमाघरों में चल रही है। आपकी आवाज मजबूत है। जाओ एक मुद्दा बनाओ। लड़ने का यही सही तरीका है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में राज्य के मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि फिल्म द केरला स्टोरी को सभी स्क्रीन से हटा दिया जाए।

रहमान ने खुद का गाना सुनते पुराना वीडियो किया साझा

मुंबई (आईएएनएस)। ऑस्कर विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने बुधवार को संगीतकार एवं गीतकार स्टिंग का एक पुराना वीडियो साझा किया जिसमें वह 2017 में पोलर म्यूजिक प्राइज के दौरान अपने ही गाने एवरी ब्रेथ यू टेक का रीमेक जोस फेलिसिआनो से सुनकर असहज थे। रहमान ने लिखा कि वह भी इससे गुजर चुके हैं। शोबैक क्लिप में दिख रहा है कि स्टिंग को प्यूर्टो रिको में जन्मे गिटारवादक द्वारा गाए गए अपने अपने खुद के आइकॉनिक नंबर एवरी ब्रेथ यू टेक का परफॉर्मेंस देख रहे हैं, लेकिन वह अप्रभावित लग रहे हैं। रहमान ने वीडियो को कैप्शन देते हुए ट्वीट किया, मैं भी इससे गुजर चुका हूं। रहमान भी अपने पुराने गानों को नए रूप में देख चुके हैं जो कुछ खास नहीं रहे हैं। बादशाह ने हम्मा हम्मा को नए रूप में पेश किया था। उनके उर्वशी उर्वशी और मसकली 2.0 जैसे गानों के भी रीमेक बन चुके हैं। रहमान छह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, दो अकादमी पुरस्कार, दो ग्रैमी पुरस्कार, एक बाफ्टा पुरस्कार और एक गोल्डन ग्लोब पुरस्कार के विजेता हैं।

'सिर्फ एक बंदा काफी है' के निर्माता को नोटिस

मुंबई (भाषा)। नाबालिग के यौन शोषण के आरोप में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम और 'संत श्री आसारामजी आश्रम चैरीटेबल ट्रस्ट' ने 'सिर्फ एक बंदा काफी है' फिल्म के निर्माताओं को कानूनी नोटिस भेजकर आरोप लगाया है कि इस फिल्म का ट्रेलर बहुत आपत्तिजनक और मानहानिकारक है। मनोज बाजपेयी अभिनीत इस फिल्म में एक वकील की कहानी दिखाई गई है, जो एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोपी एवं प्रभावशाली स्वयंभू बाबा के खिलाफ खड़ा होता है। फिल्म का ट्रेलर आठ मई को रिलीज किया गया था।

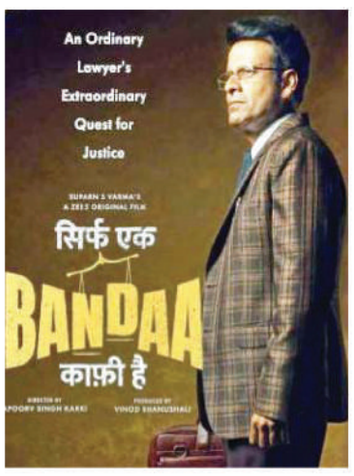

आसाराम अपने 'गुरुकुल' की एक नाबालिग छात्रा के यौन शोषण के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 2018 से केंद्रीय कारागार जोधपुर में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। फिल्म निर्माता आसिफ शेख ने उन्हें नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए मंगलवार देर रात कहा कि यह फिल्म पीड़िता के वकील पी सी सोलंकी के जीवन पर आधारित है। शेख ने एक बयान में कहा, 'संत श्री आसारामजी आश्रम चैरीटेबल ट्रस्ट' से फिल्म निर्माता 'आसिफ शेख बैनर प्रैक्टिकल प्रोडक्शन' को मनोज बाजपेयी अभिनीत 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के लिए नोटिस मिला है।

यह फिल्म सत्य घटनाओं से प्रेरित 'अदालती कक्ष वाला ड्रामा' है। कानून विशेषज्ञों का मेरा दल कानूनी नोटिस का जवाब देगा। हमें पी सी सोलंकी के जीवन पर आधारित फिल्म बनाने के अधिकार प्राप्त किए हैं और यह फिल्म उनके जीवन पर आधारित है। आसाराम और ट्रस्ट की ओर से कानूनी नोटिस वकीलों सत्य प्रकाश शर्मा और विपुल सिंघवी ने भेजा है।

मुंबई (भाषा)। अभिनेत्री जाह्नवी कपूर (26) जल्द ही देशभक्ति पर आधारित फिल्म 'उलझ' में नजर आएंगी। फिल्म निर्माताओं ने बुधवार को इसकी घोषणा की। कपूर ने एक बयान में कहा, जब मुझसे 'उलझ' फिल्म की पटकथा के साथ संपर्क किया गया तो इसने मुझे बहुत आकर्षित किया क्योंकि एक अभिनेत्री के रूप में, मैं लगातार ऐसी पटकथाओं की तलाश में रहती हूं जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर निकाल दें। फिल्म में जाह्नवी, भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) की युवा अफसर के किरदार में नजर आएंगी।राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित और जंगली पिक्चर्स द्वारा निर्मित, फिल्म 'उलझ' में कपूर के अलावा गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी जैसे कलाकार प्रमुख किरदार में नजर आएंगे। फिल्म की पटकथा सरिया और परवेज शेख ने लिखी है तथा संवाद अतिका चौहान ने लिखे हैं। फिल्म 'उलझ' की शूटिंग मई के अंत तक शुरू होगी।

मैं ग्रे-शेडेड, कॉम्प्लेक्स भूमिकाएं सबसे अच्छे से निभाता हूं: करनवीर

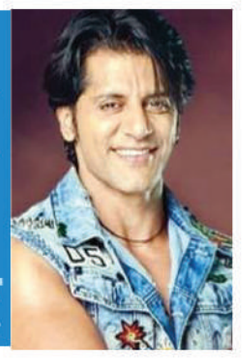

मुंबई (आईएएनएस)। एक्टर करनवीर बोहरा जय भानुशाली और टीना दत्ता स्टारर हम रहे न रहे हम शो में दिखेंगे। इसमें एक बार फिर वह निगेटिव लाइट में होंगे जिसके बारे में उनका कहना है कि वह इसे बखूबी निभाते हैं। करनवीर ने कहा, ग्रे-शेडेड, कॉम्प्लेक्स कैरेक्टर निभाना, मैं यही सबसे अच्छे से करता हूं। मैं जो रोल करता हूं वह न तो पूरी तरह काला होता है, न पूरा सफेद। उन्होंने इस शो से जुड़ने के बारे में बताया, मुझे मेरा कैरेक्टर पसंद है, मुझे मेरा लुक पसंद है। इतनी लोकप्रियता और प्यार हासिल कर चुके शो का हिस्सा बनकर मैं उत्साहित हूं।

अपनी भूमिका के बारे में ज्यादा कुछ न बताते हुए उन्होंने कहा, मैं बहुत ज्यादा नहीं बताना चाहता। मैं चाहता हूं कि लोग जल्द से जल्द मेरे कैरेक्टर को शो में देखें। इस शो में किटु गिडवानी भी एक्टिंग कर रही हैं। इसकी कहानी उन्मुक्त विचारों वाली लड़की सुरीली के इर्द-गिर्द घूमती है जो साधारण जीवन जीती है।

रिस्ता रिस्ता एक रोमांटिक ट्रैक

मुंबई (आईएएनएस)। प्लेबैक सिंगर स्टेबिन बेन ने एक नया गाना रिस्ता रिस्ता रिलीज किया है, जिसके म्यूजिक वीडियो में टेलीविजन अभिनेता मोहसिन खान और दिव्या अग्रवाल हैं। गौरव दासगुप्ता द्वारा रचित, ट्रैक एक पेप्पी, रोमांटिक ट्रैक है और इसमें आकर्षक बीट्स और एक भावपूर्ण धुन है। गाने के बोल मनमर्जियां फेम शैल ने लिखे हैं। गाने के बारे में बात करते हुए, बेन ने कहा, रिस्ता रिस्ता गाना एक अद्भुत अनुभव था। यह गाना आकर्षक, रोमांटिक और भावपूर्ण है। इसका हिस्सा बनने का अवसर देने के लिए मैं सारेगामा म्यूजिक और पूरी टीम का आभारी हूं।

गाने में फीचर करने वाले मोहसिन खान और अग्रवाल ने ट्रैक की थीम के अनुसार एक वृद्धाश्रम में गाने को लॉन्च किया। खान ने कहा, मैं रिस्ता रिस्ता का हिस्सा बन कर उत्साहित हूं। गाने में एक सुंदर धुन है जो निश्चित रूप से आपको थिरकने पर मजबूर कर देगी। म्यूजिक वीडियो की शूटिंग का यह एक अद्भुत अनुभव था, और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को सुनने में मजा आएगा।

नंदामुरी बालकृष्ण की अगली फिल्म से तेलुगु सिनेमा में पदार्पण करेंगे अर्जुन रामपाल

मुंबई (भाषा)। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल तेलुगु फिल्मों के अभिनेता-निर्माता नंदामुरी बालकृष्ण की अगली फिल्म से तेलुगु सिनेमा में पदार्पण करेंगे। फिल्म के निर्माताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। फिल्म निर्माताओं ने बताया कि 50 वर्षीय रामपाल आगामी फिल्म में 'खलनायक' की भूमिका में नजर आएंगे। फिलहाल, फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसका निर्देशन अनिल रविपुडी और निर्माण साहू गणपति तथा हरीश पेड्डी के प्रोडक्शन बैनर 'शाइन स्क्रीन्स' द्वारा किया जा रहा है। प्रोडक्शन बैनर ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर रामपाल को फिल्म से जोड़ने की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, फिल्म की पूरी टीम राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता अर्जुन रामपाल का तेलुगु फिल्मों में कॅरियर की शुरूआत करने पर स्वागत करती है।

समीक्षा सार

रुपया छह पैसे मजबूत

मुंबई। बुधवार को रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले छह पैसे की तेजी के साथ 82 (अस्थायी) प्रति डालर पर पहुंच गया। अमेरिका के मुद्रास्फीति के आंकड़ों से पहले निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाए रखी। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों के पर्याप्त निवेश, घरेलू शेयर बाजार में मजबूती के रुख तथा कच्चे तेल कीमतों में गिरावट के कारण भी रुपए को समर्थन मिला। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले 82.06 प्रति डालर के भाव पर खुला और कारोबार के अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की तेजी के साथ 82 प्रति डालर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स 179 अंक चढ़ा

मुंबई। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स में बुधवार को लगभग 179 अंक की तेजी दर्ज हुई। विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने तथा सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 178.87 अंक यानी 0.29 प्रतिशत चढ़कर 61,940.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 61,974.35 अंक तक गया और नीचे में 61,572.93 अंक तक आया। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 49.15 अंक की बढ़त के साथ 18315 अंक पर बंद हुआ।

सोना 265 रुपए टूटा

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 265 रुपए के नुकसान के साथ 61,585 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 61850 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 120 रुपए की तेजी के साथ 77,800 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। 'दिल्ली में सोने की हाजिर कीमत 265 रुपए की गिरावट के साथ 61,585 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई।'

एलएंडटी का लाभ बढ़ा

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग और निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का मार्च, 2023 में समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 10 प्रतिशत बढ़कर 3,987 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी। कंपनी ने मार्च, 2022 की तिमाही में 3,621 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। जनवरी-मार्च, 2023 तिमाही में कंपनी का एकीकृत राजस्व मार्च, 2022 की तिमाही के 52,851 करोड़ रुपए से 10 प्रतिशत बढकर 58,335 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का कुल राजस्व भी मार्च, 2022 तिमाही के 46,334 करोड़ रुपए से 11 प्रतिशत बढ़कर 51,502 करोड़ रुपए हो गया।

बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। घरों में इस्तेमाल के लिए इन्वर्टर रूम एयर कंडीशनर (आरएसी) की मांग काफी तेजी से बढ़ रही है। बिजली मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 तक इन्वर्टर आधारित रूम एसी की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 77 प्रतिशत हो गई है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2015-16 में इन्वर्टर एसी की बाजार हिस्सेदारी सिर्फ एक प्रतिशत थी। बयान में कहा गया है, 'वित्त वर्ष 2015-16 से 2022-23 तक आठ वर्षो में अधिक दक्ष गति में बदलाव वाले (इन्वर्टर) आरएसी की बाजार हिस्सेदारी एक प्रतिशत से बढ़कर 77 प्रतिशत हो गई है, वहीं निश्चित गति वाले आरएसी की हिस्सेदारी 99 से घटकर 23 प्रतिशत रह गई है।'

धानुका ने निवेश किया

नई दिल्ली। कृषि रसायन कंपनी धानुका एग्रीटेक ने अब तक दो स्टार्टअप में निवेश किया है। धानुका एग्रीटेक ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि वह देश के कृषि क्षेत्र में युवा उद्यमियों की मदद के लिए ऐसी और कंपनियों में निवेश करने को तैयार है। धानुका एग्रीटेक ने 2021 में गुरुग्राम की कृषि ड्रोन विनिर्माता आयोटेक वर्ल्ड एविगेशन में अल्पांश हिस्सेदारी के लिए 30 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की थी। धानुका समूह के चेयरमैन आरजी अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'हमने दो स्टार्टअप में निवेश किया है। कई युवा उद्यमी हैं, जिनके पास बेहतरीन उत्पाद और प्रौद्योगिकियां हैं।(एजेंसी)

ट्विटर में वॉयस, वीडियो चैट सुविधा जल्द

■ बिना मोबाइल नंबर के होगी बातचीत ■ मस्क ने दी नई सुविधाओं की जानकारी

संयुक्त राष्ट्र (वार्ता)।

अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने बुधवार को घोषणा की कि ट्विटर ऐप पर जल्द ही वॉयस (आवाज) और वीडियो चैट की सुविधा मिलेगी।

इससे प्लेटफार्म के उपयोगकर्ता फोन नंबर प्रदान किए बिना कहीं भी लोगों से संपर्क कर सकेंगे। मस्क ने ट्वीट किया, 'जल्द ही आपके हैंडल से इस प्लेटफार्म पर किसी से भी वॉयस और वीडियो चैट होगी, ताकि आप दुनिया में कहीं भी लोगों से अपना फोन नंबर दिए बिना बात कर सकेंगे।'

■ ट्विटर पर यूजर्स को कई अन्य सुविधाएं देने पर काम कर रहे हैं एलन मस्क

माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफार्म ट्विटर के सीईओ और बिजनेसमैन एलन मस्क ने खुद इसको लेकर ट्वीट किया है। मस्क ने ट्वीट करते हुए प्लेटफार्म पर आने वाली कॉल और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सहित नई सुविधाओं के बारे में जानकारी दी है।

उल्लेखनीय है कि मस्क ने अक्टूबर 2022 में 44 अरब डालर में ट्विटर का अधिग्रहण किया था। ट्विटर की स्थापना 2006 में हुई थी और इसका मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया में है।

अधिग्रहण के बाद श्री मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी नीति में बदलाव किया, जिसके कारण वह काफी विवादों में भी घिरे रहे।

तमिलनाडु में विनिर्माण संयंत्र लगाएगी सिस्को

नई दिल्ली (भाषा)।

अमेरिकी नेटवर्क उपकरण विनिर्माता सिस्को के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चक रॉबिंस ने भारतीय बाजार और इसकी संभावनाओं को लेकर आशावादी नजरिया रखते हुए कहा कि कंपनी की तमिलनाडु में विनिर्माण संयंत्र लगाने की योजना है।

भारत के एक सप्ताह के दौरे पर आए रॉबिंस ने यहां के साथ खास बातचीत में कहा कि भारत में मौजूद ऊर्जा अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा, 'भारत ने डिजिटलीकरण की दिशा में बेशुमार प्रगति की है। भारत की महत्वाकांक्षा पूरी तरह स्पष्ट है और इस समय मुझे यहां पर अविश्वसनीय माहौल महसूस हो रहा है।'

गोपनीयता के उल्लंघन का मामला

व्हाट्सऐप की जांच करेगी सरकार

नई दिल्ली (भाषा)। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बुधवार को कहा कि सरकार स्मार्टफोन के उपयोग में नहीं रहते हुए उसका इस्तेमाल करने वालों के माइक्रोफोन तक सोशल मीडिया मंच व्हाट्सऐप की पहुंच होने के दावे की जांच करेगी। मंत्री ने ट्विटर पर लिखा है कि भले ही नया डिजिटल व्यक्तिगत सूचना संरक्षण विधेयक तैयार किया जा रहा हो, सरकार निजी सूचना की गोपनीयता के कथित उल्लंघन की जांच करेगी। यह दावा किया गया कि एक उपयोगकर्ता के मोबाइल फोन में ऐसे समय में व्हाट्सऐप की पहुंच हुई जब वह उपयोगकर्ता सो रहा था।

ट्विटर के इंजीनियरिंग विभाग में निदेशक फोड डाबिरी ने शनिवार को कहा था, 'यह क्या चल रहा है। व्हाट्सऐप 'बैकग्राउंड' में माइक्रोफोन

■ यूजर के सोते समय हो रहा था व्हाट्सऐप के माइक्रोफोन का इस्तेमाल
■ सुबह 6 बजे जागने पर यूजर को पता चला, रात में उसका फोन हुआ इस्तेमाल
■ यूजर ने जांच एजेंसियों से की थी इसकी शिकायत
■ गोपनीयता का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेगी सरकार : चंद्रशेखर

का उपयोग कर रहा था। यह तब हो रहा रहा था, जब मैं सो रहा था और सुबह 6 बजे उठने पर पता चला।' डाबिरी के ट्वीट का जवाब देते हुए चंद्रशेखर ने कहा, 'इस प्रकार का उल्लंघन कतई स्वीकार्य नहीं है। यह गोपनीयता का उल्लंघन है।' उन्होंने कहा, 'हम तुरंत इसकी जांच करेंगे और निजी जानकारी की गोपनीयता के किसी भी उल्लंघन पर कार्रवाई करेंगे।' डाबिरी का ट्वीट वायरल हो गया है। इसे 6.5 करोड़ से अधिक बार देखा गया। उधर, व्हाट्सऐप ने कहा है कि वह समस्या के बारे में पोस्ट करने वाले ट्विटर इंजीनियर के साथ पिछले 24 घंटों से संपर्क में है। व्हाट्सऐप ने एक ट्वीट में कहा, 'हम मानते हैं कि यह एंड्रॉयड पर एक वायरस है जो उनके गोपनीयता डैशबोर्ड में जानकारी को गलत तरीके से उपलब्ध कराता है। इसको लेकर गूगल से जांच और इससे निपटने के लिए जरूरी सुधार करने के लिए कहा गया है।' कंपनी ने यह भी दावा किया कि उपयोगकर्ता का अपनी माइक की सेटिंग पर पूरा नियंत्रण है।

सोशल मीडिया मंच ने कहा, 'अनुमति मिलने के बाद, व्हाट्सऐप केवल माइक तक उस समय पहुंचता है जब कोई उपयोगकर्ता काल कर रहा होता है या वॉयस नोट या वीडियो रिकार्ड कर रहा होता है। उस समय भी बातचीत 'एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन' के जरिए सुरक्षित होती हैं।

एनसीएलटी ने दिवाला कार्यवाही शुरू करने के लिए गो फर्स्ट की तरफ से दायर याचिका स्वीकार की

कंपनी की सेवाएं चलाने के आदेश

■ अभिलाष लाल अंतरिम समाधान पेशेवर नियुक्त ■ कहा, सेवाएं चलाने को लाल को दें 5 करोड़ रुपए ■ कर्मचारियों की छंटनी करने पर भी लगाई है रोक ■ कंपनी को कानूनी कार्रवाई से संरक्षण दिया

नई दिल्ली (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने बुधवार को ऋण शोधन कार्यवाही शुरू करने को लेकर स्वेच्छा से दायर गो फर्स्ट की याचिका स्वीकार कर ली। इसके साथ ही एनसीएलटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रामलिंगम सुधाकर तथा एलएन गुप्ता की पीठ ने कर्ज में फंसी कंपनी को चलाने के लिए अभिलाष लाल को अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) नियुक्त किया है और पेशेवर को कंपनी की सेवाएं सुचारू रूप से चलाने के आदेश भी दिये हैं।

पीठ ने कंपनी को किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से संरक्षण भी दिया और ऋण शोधन कार्यवाही के दौरान उसे चलाने के लिये निलंबित निदेशक मंडल से समाधान पेशेवर की मदद करने को कहा। न्यायाधिकरण ने ऋण शोधन प्रक्रिया के लिए तात्कालिक खर्च को लेकर कंपनी को समाधान पेशेवर को पांच करोड़ रुपए भी देने को कहा। इसके अलावा, एनसीएलटी ने कंपनी को परिचालन में बनाए रखने और वित्तीय बाध्यताओं को पूरा करने के साथ किसी भी कर्मचारी की छंटनी नहीं करने को कहा है।

पीठ ने समाधान पेशेवर से आदेश के क्रियान्वयन के साथ कंपनी की सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने को कहा है। न्यायाधिकरण ने वाडिया समूह की एयरलाइन कंपनी तथा विमान पट्टे पर देने वाली इकाइयों की दलीलों को सुनने के बाद चार मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। विमान पट्टे पर देने वाली कंपनियों ने याचिका का विरोध करते हुए अंतरिम संरक्षण देने का आग्रह किया था। गो फर्स्ट ने 17 साल से अधिक समय पहले उड़ान भरना शुरू किया था। एयरलाइन ने वित्तीय संकट के बीच तीन मई से उड़ानों का परिचालन रोक दिया। प्रैट एंड व्हिटनी से इंजन आपूर्ति नहीं होने के कारण कंपनी के बेड़े में शामिल आधे से अधिक विमान उड़ान नहीं भर पा रहे थे।

एयरलाइन पर कुल देनदारी 11,463 करोड़ रुपए है। उसने स्वैच्छिक रूप से दिवाला कार्यवाही के लिए आवेदन दिया था। साथ ही वित्तीय बाध्यताओं पर अंतरिम रोक का आग्रह किया था। गो फर्स्ट पहले ही 15 मई तक टिकट की बिक्री निलंबित कर चुकी है। इंजन की आपूर्ति नहीं होने से कंपनी के 28 या आधे से अधिक विमान परिचालन में नहीं हैं।

विमानन संकट

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) का एयरलाइन की स्वैच्छिक दिवाला कार्यवाही याचिका स्वीकार करने का निर्णय 'ऐतिहासिक फैसला है।' यह कंपनी को पटरी पर लाने के लिए समय पर आया प्रभावी निर्णय है।

कौशिक खोना
सीईओ, गो फर्स्ट

■ गो फर्स्ट पर है 11463 करोड़ रुपए का बैंक कर्ज
■ 15 मई तक टिकट बुकिंग बंद कर चुकी है कंपनी
■ खराब खड़े हैं कंपनी के आधे से ज्यादा विमान

माल परिवहन एजेंसियों को जीएसटी भुगतान विकल्प के लिए 31 मई तक का समय

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने माल परिवहन एजेंसियों के लिए चालू वित्त वर्ष में सेवाओं की आपूर्ति के आधार पर जीएसटी देने की समयसीमा बढ़ाकर 31 मई कर दी है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था के तहत माल ढुलाई से जुड़ी एजेंसियों (जीटीए) के पास सेवाओं की आपूर्ति (फारवार्ड चार्ज) के आधार पर जीएसटी संग्रह और उसके भुगतान का विकल्प है। अगर वे यह विकल्प नहीं अपनाते हैं, तो कर देनदारी 'रिवर्स चार्ज' व्यवस्था के तहत सेवा प्राप्त करने वाले पर चली जाती है।

सेवाओं की आपूर्ति के आधार पर जीएसटी भुगतान के विकल्प के तहत वित्त वर्ष में इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के साथ 12 प्रतिशत और आईटीसी के बिना पांच प्रतिशत कर देना होता है। इसके लिये माल परिवहन एजेंसियों को पिछले वित्त वर्ष के लिए फार्म 15 मार्च तक भरना होता है। जीएसटी कानून में संशोधन के तहत वित्त मंत्रालय ने मई में कहा, 'जीटीए वित्त वर्ष 2023-24 के लिए विकल्प 31 मई तक अपना सकते हैं।' सड़क मार्ग से माल परिवहन की सेवा प्रदान करने वाली और इस उद्देश्य के लिये बिल (कंसाइनमेंट नोट) जारी करने वाली इकाई जीएसटी के तहत जीटीए कहलाती हैं। संशोधन में आगे कहा गया है कि जीटीए अगर किसी भी वित्त वर्ष के दौरान नया कारोबार शुरू करता है या पंजीकरण के लिए निर्धारित सीमा पार करता है, तो वह उस वित्त वर्ष के दौरान आपूर्ति की गई सेवाओं पर जीएसटी का भुगतान करने का विकल्प चुन सकता है।

एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन ने कहा कि जीटीए के पास सामान की आपूर्ति या फिर आपूर्ति प्राप्त करने के आधार पर (रिवर्स चार्ज) कर देने का विकल्प है। दोनों के अपने फायदे-नुकसान हैं। मोहन ने कहा कि समान आपूर्ति आधार पर करदाताओं को टैक्स क्रेडिट के उपयोग और जोड़े गए मूल्य पर ही कर भुगतान की मंजूरी है। वहीं 'रिवर्स चार्ज' के तहत करों के भुगतान के लिए विस्तृत रिकार्ड रखने की आवश्यकता नहीं होगी और कर के रूप में में फंसी कार्यशील पूंजी भी मुक्त होगी।

एलएंडटी के गैर कार्यकारी चेयरमैन नाइक पद छोड़ेंगे

नई दिल्ली (भाषा)।

ढांचागत क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो ने बुधवार को कहा कि उसके गैर-कार्यकारी चेयरमैन एएम नाइक ने पद से हटने का फैसला किया है।

इसके साथ ही कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एसएन सुब्रमण्यन की कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पद पर नियुक्ति की गई है। फिलहाल कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक के पद पर तैनात सुब्रमण्यन की नई नियुक्ति एक अक्टूबर, 2023 से प्रभावी होगी।

लार्सन एंड टुब्रो ने नियामकीय सूचना में कहा, 'नाइक ने 30 सितम्बर, 2023 से गैर-कार्यकारी चेयरमैन पद से हटने का फैसला किया है।

बीमा कंपनियों को वित्तीय प्रदर्शन के आधार पर दी जाएगी पूंजी

नई दिल्ली (भाषा)।

वित्त मंत्रालय घाटे में चल रही सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन के आधार पर चालू वित्त वर्ष में 3,000 करोड़ रुपए की पूंजी डालने के बारे में निर्णय करेगा।

सूत्रों के अनुसार, वित्त मंत्रालय ने पिछले साल तीनों बीमा कंपनियों नेशनल इंश्योरेंस लि., ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लि. तथा यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी से कारोबार के बजाए मुनाफे पर ध्यान देने को कहा था और बेहतर मूल्यांकन के साथ केवल अच्छे प्रस्ताव पर आगे बढ़ने को कहा।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के वित्तीय आंकड़ों से लाभ की स्थिति और 'सॉल्वेंसी मार्जिन' यानी अनुमानित देनदारी के बाद की बची पूंजी पर शुरू किए गए पुनर्गठन के प्रभाव का पता चलेगा। सरकार ने पिछले साल तीनों साधारण बीमा कंपनियों नेशनल इंश्योरेंस लि., ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लि. तथा यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को 5,000 करोड़ रुपए की पूंजी उपलब्ध करायी थी। कोलकाता स्थित नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को सबसे अधिक 3,700 करोड़ रुपए मिले। इसके बाद दिल्ली स्थित ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 1,200 करोड़ रुपए और चेन्नई स्थित यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को 100 करोड़ रुपए मिले।

सूत्रों के मुताबिक, इन कंपनियों को अपने 'सॉल्वेंसी मार्जिन' में सुधार करने और नियामकीय व्यवस्था के तहत 150 प्रतिशत की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कहा गया है।

अप्रैल में आनलाइन भर्तियों में आई गिरावट

मुंबई (भाषा)।

कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा होने से अप्रैल के महीने में संगठित क्षेत्र में आनलाइन भर्तियों की संख्या में एक साल पहले की तुलना में गिरावट दर्ज की गई। एक रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद अप्रैल में नवाचार-आधारित स्टार्टअप फर्मों में भर्तियों में खासी तेजी देखी गई। फाउंडइट इनसाइट्स ट्रैकर (एफआईटी) पर आधारित यह रिपोर्ट कहती है कि एक साल पहले की तुलना में अप्रैल, 2023 में संगठित क्षेत्र में ऑनलाइन भर्तियों की संख्या छह प्रतिशत गिर गई लेकिन नए एवं उभरते क्षेत्रों में नौकरियों के लिए अधिक आवेदन मांगे गए।

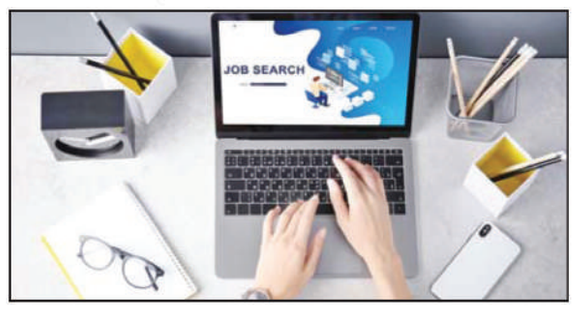

फाउंडइट (पूर्व में मोन्स्टर) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शेखर गरिसा ने कहा, 'मौजूदा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने कारोबार के लिए चुनौतीपूर्ण वातावरण पैदा कर दिया है और इसकी वजह से उन्हें तेजी से बदलते माहौल के अनुरूप खुद को ढालना पड़ रहा है। भले ही आनलाइन भर्तियों में कमी आई है लेकिन युवाओं के लिए उभरते क्षेत्रों में रोजगार के तमाम मौके उपलब्ध हैं।' उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप परिवेश में बदलाव आया है और यह मौजूदा रोजगार बाजार के बावजूद नई भर्तियों की मंशा दिखा रहा है।

रिपोर्ट कहती है कि स्टार्टअप में से शिक्षण-प्रौद्योगिकी भर्तियां कर रहे शीर्ष पांच उद्योगों में शामिल है लेकिन पिछले साल की तुलना में हिस्सेदारी कम हुई है। इसके अलावा बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा और वित्तीय प्रौद्योगिकी, मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र में भी भर्तियां हुई। दूसरी तरफ स्वास्थ्य देखभाल और बीपीओ स्टार्टअप ने अप्रैल, 2022 की तुलना में कम भर्तियां कीं।

आनलाइन भर्ती प्रक्रिया में बड़े शहरों के अलावा छोटी जगहों की भी हिस्सेदारी देखी गई। इनमें बेंगलुरु 33 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ स्टार्टअप नौकरियों के मामले में सबसे आगे रहा।

सर्वाधिक चहल-पहल वाले शापिंग प्लेस में बेंगलुरु का एमजी रोड अव्वल

नई दिल्ली (भाषा)।

देश के विभिन्न शहरों में 30 चहल-पहल वाले महंगे खरीदारी स्थलों (हाई स्ट्रीट्स) में बेंगलुरु का एमजी रोड शीर्ष पर है। इसके बाद हैदराबाद का सोमाजीगुड़ा और मुंबई का लिंकिंग रोड हैं। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी नाइट फ्रैंक की एक अध्ययन रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली का साउथ एक्सटेंशन (भाग 1 और भाग 2) चौथे स्थान पर है। यह रैंकिंग ग्राहकों को इन हाई स्ट्रीट पर मिलने वाले अनुभवों के गुणवत्ता मानकों के आधार पर तैयार की गई है।

नाइट फ्रैंक इंडिया ने कहा, 'बेंगलुरु में सबसे अच्छी हाई स्ट्रीट हैं, जो ग्राहकों को खरीदारी में बेहतर अनुभव प्रदान करती हैं। शीर्ष 10 की सूची में इसके चार बाजार शामिल हैं।'

नाइट फ्रैंक ने देश के आठ प्रमुख बाजारों में 30 हाई स्ट्रीट के सर्वे के आधार पर 'थिंक इंडिया थिंक रिटेल 2023-हाई स्ट्रीट रियल एस्टेट आउटलुक' रिपोर्ट जारी की है। कोलकाता की पार्क स्ट्रीट और कैमेक स्ट्रीट पांचवें स्थान पर हैं। इनके बाद चेन्नई के अन्ना नगर, बेंगलुरु की कमर्शियल स्ट्रीट, नोएडा का सेक्टर-18 बाजार, बेंगलुरु के ब्रिगेड मार्ग और बेंगलुरु की चर्च स्ट्रीट का नंबर आता हैं। शीर्ष 10 हाई स्ट्रीट पहुंच की सुलभता, वाहन पार्किंग की सुविधा और खुदरा विक्रेताओं की विविधता के आधार पर तय की गई हैं।

फर्म ने बताया कि मुख्य मार्ग से शुरू होकर अंदर तक फैले दिल्ली के खान मार्केट और गुरुग्राम के डीएलएफ गैलेरिया जैसे बाजार रैंकिंग में काफी पिछड़ गए जबकि सड़क से लगे बेंगलुरु में एमजी रोड से हैदराबाद में सोमाजीगुड़ा, मुंबई में लिंकिंग रोड, कोलकाता में अन्ना नगर, पार्क स्ट्रीट और कैमेक स्ट्रीट इस सूची में शीर्ष पर रहे।

भारत में सर्वाधिक चहल पहल वाले शापिंग प्लेस

रैंक	शहर	हाई स्ट्रीट
01	बेंगलुरु	एमजी रोड
02	हैदराबाद	सोमाजीगुडा
03	मुंबई	लिंकिंग रोड
04	दिल्ली	साउथ एक्स
05	कोलकाता	पार्क स्ट्रीट
06	चेन्नई	अन्ना नगर
07	बेंगलुरु	कामर्शियल स्ट्रीट
08	नोएडा	सेक्टर 18
09	बेंगलुरु	ब्रिगेड रोड
10	बेंगलुरु	चर्च स्ट्रीट

मालाबार गोल्ड का सबसे बड़ा ज्वेलरी डेस्टिनेशन स्टोर लॉन्च

नई दिल्ली। (वि) देश में गोल्ड और डायमंड की सबसे बड़ी रिटेल चेन में एक मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने केरल के कोझिकोड में दुनिया का सबसे बड़ा ज्वैलरी शोरूम शुरू किया है। ये आर्टिस्ट्री स्टोर गोल्ड और डायमंड की शॉपिंग के लिए नया ग्लोबल डेस्टिनेशन होगा, संयोग से इसे उसी स्थान पर बनाया गया है जहां तीन दशक पहले मालाबार समूह की उत्पत्ति हुई थी। आर्टिस्ट्री स्टोर दुनिया का सबसे बड़ा ज्वैलरी शोरूम होगा, जो 1,10,000 वर्ग फीट के क्षेत्र को कवर करेगा, जिसमें खरीदारी के लिए पांच और पार्किंग के लिए तीन मंजिलें होंगी। इसमें विशेष रूप से दुल्हनों के लिए गहनों के सिलेक्शन के लिए एक समर्पित वैडिंग क्षेत्र है। स्टोर में कस्टमर को विभिन्न जेमस्टोन की सोर्सिंग, वैल्यू और विशेषताओं के बारे में जानकारी देने के लिए एक्सपर्ट्स की टीम मौजूद है।

भारतीय मुक्केबाजों ने रचा इतिहास, वर्ल्ड बॉक्सिंग में पहली बार हमारे तीन मेडल पक्के

दीपक भोरिया, हुसामुद्दीन और निशांत ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर कटाया सेमीफाइनल का टिकट

ताशकंद। दीपक भोरिया, मोहम्मद हुसामुद्दीन और निशांत देन ने बुधवार को विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर भारत के लिए तीन ऐतिहासिक कांस्य पदक सुनिश्चित कर दिए।

दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता हुसामुद्दीन ने 57 किग्रा के क्वार्टरफाइनल में बुल्गारिया के जे डियाज इबनेज को 4-3 से हराया। दीपक (51 किग्रा) ने किर्गिस्तान के नूरजिगित दुशेबाएव को 5-0 से हराकर फ्लाईवेट वर्ग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। निशांत देव ने क्यूबा के जॉर्ज क्यूलर को 5-0 से हराकर 71 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने एक विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पहली बार तीन पदक जीते हैं।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक पक्के करने वाले बॉक्सर दीपक भोरिया, मोहम्मद हुसामुद्दीन और निशांत देन।

भारतीय मुक्केबाजों ने ऐसे रचा नया इतिहास..

दिन के पहले क्वार्टरफाइनल में दीपक का दबदबा ऐसा था कि रेफरी को बाउट के बाद के चरणों में दियुशेबाएव को दो स्टैंडिंग काउंट देने पड़े। दीपक अपनी लंबी कद-काठी का प्रयोग कर साफ और सटीक मुक्के मारने के अवसरों की तलाश में थे। पहले राउंड के बाद 0-5 से पीछे चल रहे दियुशेबाएव ने दूसरे दौर की आक्रामक शुरुआत की, लेकिन दीपक ने मजबूत बचाव किया और मुक्कों के उत्कृष्ट संयोजन के साथ जवाबी हमला किया। दीपक अंतिम राउंड में अधिक रक्षात्मक दिखे, लेकिन शुरुआती दो चरणों की बढ़त उन्हें जीत दिलाने के लिए काफी थी। इस बीच, हुसामुद्दीन ने बुल्गारिया के जे. डियाज इबनेज को 4-3 के बंटे हुए फैसले से हराकर भारत के लिए एक और पदक पक्का किया। शुरुआत से ही दोनों मुक्केबाजों के बीच कांटे की टक्कर चली। हुसामुद्दीन को रिंग में इबनेज की चाल को भांपने में कुछ समय लगा। इस खब्बू मुक्केबाज ने रक्षण के लिए अपनी रफ्तार का उपयोग किया और जवाबी हमले करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी पर कुछ भारी वार किए। भारतीय मुक्केबाज के लिए दूसरा राउंड काफी आरामदायक था। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी के हमलों को जल्दी से भांप लिया और बदले में भारी मुक्के मारे। तीसरे राउंड में देखा गया कि दोनों मुक्केबाजों ने सावधानी बरती और काफी आक्रामक हो गए, लेकिन हुसामुद्दीन ने जीत हासिल करने के लिए अपने मुक्कों का अच्छी तरह से मिश्रण किया। शुक्रवार को होने वाले सेमीफाइनल मैच में हुसामुद्दीन का मुकाबला क्यूबा के सैदेल होर्ता से होगा।

2019 में जीते थे दो पदक

इससे पहले वैश्विक आयोजन में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2019 में आया था, जब मनीष कौशिक और अमित पंघाल ने देश के लिए पदक जीते थे।

जीत के बाद क्या बोले...

यह एक कठिन बाउट थी, क्योंकि मेरा प्रतिद्वंद्वी वास्तव में अच्छा खेल रहा था। इससे मुझे कुछ परेशानी हुई, लेकिन किसी तरह मै जीत गया और अगले दौर में आगे बढ़ गया। मैने बाउट से पहले कोच के साथ योजना बनाई थी और मैच में पूरी तरह से उस योजना पर कायम रहा। हमारी योजना थी कि मैं रिंग में आगे बढ़ता रहूंगा और अपने प्रतिद्वंदी को हमला करने के लिए मुझ तक पहुंचने के लिए बाध्य करूं।

■ **मोहम्मद हुसामुद्दीन**, भारतीय मुक्केबाज

एकतरफा फैसले से क्यूबा के मुक्केबाज के खिलाफ मैच जीतने के बाद बहुत अच्छा लग रहा है। हमारी रणनीति पहले राउंड से प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाने और पूरे बाउट के दौरान मानसिक रूप से मजबूत रहने की थी। मैं फाइनल में पहुंचने के लिए भी इस सकारात्मक मानसिकता को अपनाऊंगा।

■ **निशांत देव**, भारतीय मुक्केबाज

वनडे विश्वकप में 15 अक्टूबर को होगा भारत-पाक महामुकाबला!

नई दिल्ली। आईसीसी ने इस वर्ष भारत में होने वाले वनडे विश्वकप 2023 का शेड्यूल लगभग तय कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार 5 अक्टूबर को टूर्नामेंट का आगाज होगा। वहीं फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। हालांकि अभी इस बारे में आईसीसी की की ओर से अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

मेजबान भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। जबकि विश्व कप का सबसे ज्यादा पंसद किया जाने वाला भारत और पाकिस्तान का मैच 15 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वनडे विश्वकप में कुल 10 टीम हिस्सा लेंगी। जिसमें से 8 टीमों ने क्वॉलीफाई कर लिया है। इसमें इंडिया, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका हैं।

आयरलैंड-बांग्लादेश मैच धुलने से द.अफ्रीका विश्व कप के लिए सीधे क्वॉलीफाई

चेम्सफोर्ड। चेम्सफोर्ड के काउंटी ग्राउंड में आयरलैंड और बांग्लादेश के बीच पहला एकदिवसीय मैच बारिश में धुलने के कारण दक्षिण अफ्रीका ने 2023 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वॉलीफाई कर लिया। दक्षिण अफ्रीका इस साल भारत में होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वॉलीफाई करने वाली आठवीं और आखिरी टीम बन गई। प्रोटियाज ने अपने 21 सुपर लीग मैच 98 अंकों के साथ समाप्त किए थे। इस मैच से पहले आयरलैंड के 68 अंक थे। अगर आयरलैंड बांग्लादेश को 3-0 से क्लीन-स्वीप कर देती, तो उसे 30 अंक प्राप्त होते और वह 98 अंकों के साथ दक्षिण अफ्रीका की बराबरी कर लेती। अगर आयरलैंड का नेट रन रेट दक्षिण अफ्रीका से अधिक होता तो वह विश्व कप के लिए क्वॉलीफाई भी कर सकती थी।पहले मैच का कोई नतीजा नहीं निकलने के कारण अब आयरलैंड को वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और नीदरलैंड के साथ पांच सहयोगी टीमों के खिलाफ विश्व कप क्वॉलीफायर टूर्नामेंट में हिस्सा लेना होगा।

चेपॉक में चेन्नई ने पकड़ी रफ्तार

आईपीएल सीजन 16: दिल्ली को 27 रन से हरा जीटी के करीब पहुंची

चेन्नई। चेपॉक में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग के 55वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 27 रनों से हरा दिया। चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली को 168 रनों का टारगेट दिया था। जवाब में दिल्ली की टीम पूरे 20 ओवर्स खेलने के बावजूद आठ विकेट पर 140 रन ही बना सकी। चेन्नई सुपर किंग्स की 12 मुकाबलों में यह सातवीं जीत है और वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर कायम है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स ने इस सीजन सातवां मुकाबला गंवाया है और वह आखिरी पायदान पर है।

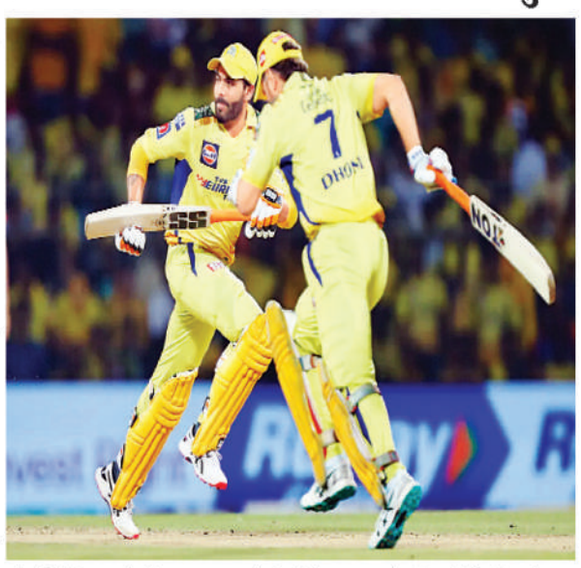

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रन चुराते चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और जडेजा।

टारगेट का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत काफी खराब रही और उसने 25 रनों के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा दिए। कप्तान डेविड वॉर्नर अपना खाता नहीं खोल पाए और पारी की दूसरी गेंद पर उन्हें दीपक चाहर ने अजिंक्य रहाणे के हाथों कैच आउट करा दिया। वहीं फिल साल्ट ने 17 और मिचेल मार्श ने 5 रन बनाए। साल्ट को दीपक चाहर ने अंबति रायडू के हाथों लपकवाया, वहीं मार्श दुर्भाग्यवश रन आउट हुआ।

इसके बाद मनीष पांडे और रिलो रोसो ने चौथे विकेट के लिए 59 रन जोड़कर पारी को संभाला। मनीष पांडे को मथीशा पथिराना ने एक बेहतरीन यॉर्कर पर एलबीडब्ल्यू आउट किया, जबकि रोसो को रवींद्र जडेजा ने अपना शिकार बनाया। पांच विकेट गिरने के बाद दिल्ली की पारी संभल नहीं पाई और उसका टारगेट तक पहुंचना असंभव हो गया।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4/6
ऋतुराज कै. अमन बो. अक्षर	24	18	4/0
डेवोन कॉन्वे एलबीडब्ल्यू अक्षर	10	13	1/0
अजिंक्य रहाणे कै. एवं बो. ललित	21	20	2/0
मोईन अली कै. मार्श बो. कुलदीप	07	12	0/0
शिवम दुबे कै. वॉर्नर बो. मार्श	25	12	0/3
अंबाती रायुडू कै. रिपल बो. खलील	23	17	1/1
रवींद्र जडेजा कै. अक्षर बो. मार्श	21	16	1/1
धोनी कै. वॉर्नर बो. मार्श	20	09	1/2
दीपक चाहर नाबाद	01	02	0/0
तुषार देशपांडे नाबाद	00	01	0/0

अतिरिक्त: 15, कुल: 20 ओवर में आठ विकेट पर 167 रन **विकेट पतन:** 1-32, 2-49, 3-64, 4-77, 5-113, 6-126, 7-164, 8-166 **गेंदबाजी:** खलील अहमद 4-0-32-1, इशांत शर्मा 2-0-23-0, ललित यादव 3-0-34-1, अक्षर पटेल 4-0-27-2, कुलदीप यादव 4-0-28-1, मिचेल मार्श 3-0-18-3.

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
वॉर्नर कै. रहाणे बो. चाहर	00	02	0/0
फिल सॉल्ट कै. रायुडू बो. चाहर	17	11	1/2
मिचेल मार्श रन आउट	05	04	1/0
मनीष पांडे एलबीडब्ल्यू पथिराना	27	29	1/2
रूसो कै. पथिराना बो. जडेजा	35	37	2/1
रिपल पटेल रन आउट	10	16	0/0
अक्षर पटेल कै. रहाणे. बो. पथिराना	21	12	2/1
अमन खान नाबाद	02	03	0/0
ललित यादव बो. पथिराना	12	05	3/0
कुलदीप नाबाद	00	01	0/0

अतिरिक्त: 11,

कुल: 20 ओवर में आठ विकेट पर 140 रन **विकेट पतन:** 1-0, 2-20, 3-25, 4-84, 5-89, 6-116, 7-125, 8-140 **गेंदबाजी:** दीपक चाहर 3-0-28-2, तुषार देशपांडे 3-0-18-0, महीश थीक्षणा 2-0-16-0, रवींद्र जडेजा 4-0-19-1, मोईन अली 4-0-16-0, मथीशा पथिराना 4-0-37-3.

ऑरेंज कैप

1 फाफ डु प्लेसिस
576

मैच	सर्वश्रेष्ठ	औसत	चौके	छक्के	50	100
11	84	57.60	45	32	6	0

स्थान	प्लेयर	मैच	रन	सर्वश्रेष्ठ	औसत	4	6	50	100
2	यशस्वी	11	477	124	43.36	62	21	3	1
3	शुभमन गिल	11	469	94*	46.90	49	13	4	0
4	डेवोन कॉन्वे	12	468	92*	52.00	55	13	5	0
5	विराट कोहली	11	420	82*	42.00	39	11	6	0

पर्पल कैप

1 मोहम्मद शमी
19

मैच	विकेट	इकोनॉमी	बेस्ट बॉलिंग	4/5 विकेट
11	19	7.23	11/4	1/0

स्थान	प्लेयर	मैच	विकेट	बेस्ट	इकोनॉमी	4/5 विकेट
2	राशिद खान	11	19	14/3	8.09	0/0
3	तुषार देशपांड़े	12	19	45/3	10.01	0/0
4	पीयूष चावला	11	17	22/3	7.46	0/0
5	वरुण चक्रवर्ती	11	17	15/4	7.84	1/0

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रनरेट
गुजरात टाइटंस	11	08	03	16	0.951
चेन्नई सुपर किंग्स	12	07	04	15	0.493
मुंबई इंडियंस	11	06	05	12	-0.255
लखनऊ सुपर जांयट्स	11	05	05	11	0.294
राजस्थान रॉयल्स	11	05	06	10	0.388
कोलकाता नाइट राइडर्स	11	05	06	10	-0.079
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	11	05	06	10	-0.345
पंजाब किंग्स	11	05	06	10	-0.441
सनराइजर्स हैदराबाद	10	04	06	08	-0.472
दिल्ली कैपिटल्स	11	04	07	08	-0.605

Filmiतड़का

उर्फी जावेद ने पहना च्विंगगम से बना टॉप

नई दिल्ली। टीवी की मशहूर एक्ट्रेस उर्फी जावेद अपने ड्रेसिंग सेंस के कारण काफी चर्चा में रहती हैं। वे अक्सर ऐसी-ऐसी ड्रेसेज बनाती हैं, जिन्हें देखकर लोगों की आंखें फटी की फटी रह जाएं। कभी उन्होंने पॉलिथिन से ड्रेस बनाई तो कभी फूलों से अपने शरीर को ढका, लेकिन हद तो तब हो गई, जब उर्फी जावेद ने खाने-पीने की चीजों को भी नहीं छोड़ा और उनसे अपने लिए ड्रेस बना डाली। उर्फी अब तक कीवी से लेकर कॉटन कैंडी से अपनी ड्रेस बना चुकी हैं। हाल ही में उर्फी ने च्विंगगम से अपना टॉप बनाया। वे अपने वीडियो में च्विंगगम खाती दिखीं और उसे शरीर पर पहने भी नजर आईं। उनकी यह टॉप देख लोगों ने अपना माथा पकड़ लिया। उर्फी ने बीते साल कॉटन कैंडी से ड्रेस बनाकर पहनी थी।

तस्वीरें देख लोगों का ठनक गया माथा

क्रिकेटर शुभमन गिल बने स्पाइडर-मैन

नई दिल्ली। क्रिकेटर शुभमन गिल फिल्मी दुनिया से जुड़ने जा रहे हैं और कनेक्शन हॉलीवुड वाला है। शुभमन गिल स्पाइडर-मैन: अक्रॉस द स्पाइडर वर्स में इंडियन स्पाइडर-मैन के लिए अपनी आवाज देंगे। फिल्म प्रोड्यूसर्स ने इसकी घोषणा की। सोनी पिक्चर्स इंटरटेनमेंट इंडिया द्वारा देशभर में रिलीज होने वाली फिल्म में भारतीय-स्पाइडरमैन की भूमिका निभा रहे पवित्र प्रभाकर की पहली फिल्म होगी। आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे गिल ने कहा कि स्पाइडर-मैन सबसे भरोसेमंद सुपरहीरो में से एक है। दरअसल, गिल इस फिल्म के हिंदी और पंजाबी वर्जन में अपनी आवाज देंगे। क्रिकेटर ने कहा, चूंकि इस फिल्म से पहली बार स्क्रीन पर भारतीय स्पाइडरमैन दिखने जा रहा है, इसलिए हिंदी और पंजाबी भाषाओं में हमारे भारतीय स्पाइडर-मैन पवित्र प्रभाकर की आवाज बनना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। मैं इस फिल्म के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

सिर्फ एक बंदा काफी है...

मुंबई। सच्ची कहानी से प्रेरित होने का दावा करने वाली एक और फिल्म चर्चा में है। मनोज वाजपेयी स्टारर सिर्फ एक बंदा काफी का ट्रेलर आ गया है। पावर और विल पावर की लड़ाई दिखाने वाली फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है का ट्रेलर आते ही छा गया है। मेकर्स का दावा है कि मूवी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। वाजपेयी इसमें वकील बने हैं। वे एक नाबालिग लड़की का केस लड़ते दिखेंगे, जिसका एक ढोंगी बाबा ने यौन शोषण किया है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे केस के गवाह पलटेंगे और पावर के दम पर उन्हें रास्ते से हटाया जाएगा। ट्रेलर देखने के बाद कई लोग मूवी को भारत के एक बहुचर्चित केस से प्रेरित मान रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत में वाजपेयी शिवजी की पूजा करते दिखाई देते हैं। उन्हें बोलते सुना जा सकता है, मैंने अपने जीवनकाल में बहुत से केस देखे हैं। बहुतों को अपनी गवाही से पलटते हुए भी देखा है, लेकिन यह लड़ाई बड़ी लंबी चलने वाली है हुकुम। इसके बाद एक लड़की के मां-बाप केस दर्ज करवाते दिखाए जाते हैं। पुलिस फोर्स नजर आती है। चेहरे पर दुपट्टा बांधे एक लड़की बोलती है, मेरा नाम नाम नू सिंह है। मेरी उम्र 16 वर्ष है। उसने मेरे प्राइवेट पार्ट को टच किया, जो मुझे बहुत बुरा लगा। अगले सीन में एक बाबा दिखाया जाता है। वह बोलता है, एक बार जेल चला जाऊंगा तो क्या जाएगा। इसके बाद उसके जयकारे लगने लगते हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि यह विल पावर और पावर की लड़ाई का एक असाधारण केस है। यह जी5 ओरिजनल्स फिल्म है। इसकी स्ट्रीमिंग 23 मई को होगी।

मनोज वाजपेयी की नई फिल्म के ट्रेलर ने खड़े किए दर्शकों के रोंगटे

वन विभाग के खिलाड़ियों ने जीते 90 पदक

भोपाल। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने संभागीय वन विश्राम गृह के सभागार में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए बताया कि भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में प्रदेश के वन विभाग के खिलाड़ियों ने 90 पदक हासिल कर मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया। पंचकुला (हरियाणा) में हुई 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में प्रदेश ने 190 सदस्यीय दल को भेजा गया था। मप्र के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में 34 स्वर्ण, 32 रजत एवं 24 कांस्य सहित कुल 90 पदक प्राप्त कर नया इतिहास रचा है। इसके अलावा 24 खिलाड़ियों ने चौथा स्थान भी प्राप्त किया।

मप्र कांग्रेस खेल-खिलाड़ी प्रकोष्ठ का पहलवानों को समर्थन

भोपाल। मध्य प्रदेश के कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं समस्त प्रकोष्ठ के प्रभारी जेपी धनोपिया एवं मध्य प्रदेश कांग्रेश खेल-खिलाड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मतीन खान के निर्देश पर खेल-खिलाड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव धर्मेंद्र ठाकुर, ग्वालियर ने दिल्ली जंतर-मंतर पर पहलवान खिलाड़ियों की मांगों को लेकर धरने में शामिल होकर समर्थन दिया।

मनीष मांडलिक बने जल संसाधन स्पोर्ट्स क्लब के प्रांतीय अध्यक्ष

भोपाल। मनीष मांडलिक मध्यप्रदेश जल-संसाधन विभाग स्पोर्ट्स के प्रांतीय अध्यक्ष नियुक्त किए गए। मांडलिक की नियुक्ति मदन सिंह डावर प्रमुख अभियंता जल संसाधन द्वारा की गई है। ज्ञातव्य हो कि प्रांतीय स्पोर्ट्स क्लब द्वारा विभागीय खेलों का आयोजन किया जाता है। इस क्लब का उद्देश्य विभिन्न विभागीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना है।

इस किसान के बगिया के एक आम की कीमत है करीब 19 हजार रुपए

टोकियो। जापान में होक्काइडो द्वीप पर ओटोफुके में अपने खेत में एक धूमिल ग्रीनहाउस के अंदर एक सफेद टैंक टॉप पहने हुए, हिरोयुकी नाकागावा नाम के शख्स पके हुए आमों को पैक करने और भेजने के लिए तैयार करते हैं। दिसंबर के दिनों में बाहर का तापमान -8 डिग्री सेल्सियस होता है, लेकिन ग्रीनहाउस के अंदर थर्मामीटर 36 डिग्री के आसपास रहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, नाकागावा 2011 से जापान के सबसे उत्तरी द्वीप के बर्फीले टोकाची क्षेत्र में आम उगा रहे हैं। वह उन्हें 230 डॉलर प्रति आम की कीमत पर बेचते हैं। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि टिकाऊ खेती में एक प्रयोग करने से एक दिन दुनिया के सबसे महंगे आमों की पैदावार होगी। 62 वर्षीय नाकागावा पहले एक पेट्रोलियम कंपनी चलाते थे, उनका कहना है कि, "शुरू में किसी ने मुझे गंभीरता से नहीं लिया।" यहाँ से होक्काइडो में, मैं प्रकृति से कुछ प्राकृतिक बनाना चाहता था। नाकागावा ने तेल के कारोबार में वर्षों के बाद आम की खेती शुरू की, जहां बढ़ती कीमतों ने उन्हें जीवाश्म ईंधन से परे देखने की आवश्यकता के बारे में आश्वस्त किया। मियाजाकी के दक्षिणी प्रान्त के एक अन्य आम किसान के मार्गदर्शन में, जिसने दावा किया कि सर्दियों के महीनों में फल उगाना संभव है, नाकागावा ने अपने खेत की स्थापना की और साथ ही अपने स्टार्टअप नोरावर्क्स जापान की स्थापना की। कुछ साल बाद उन्होंने अपने आम ब्रांड को हकुगिन नो ताइयो के रूप में ट्रेडमार्क किया, जिसका अनुवाद सन इन द स्नो है।

नाकागावा का सीक्रेट दो प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर रहा है, जो होक्काइडो की अपनी मातृभूमि बर्फ़ और गर्म झरनों के लिए प्रसिद्ध है-वह सर्दियों के महीनों से बर्फ जमा करता है और गर्मियों में इसका उपयोग अपने ग्रीनहाउस को ठंडा करने के लिए करता है, जिससे फलों के खिलने में देरी होती है। फिर सर्दियों में वह ग्रीनहाउस को गर्म करने के लिए प्राकृतिक गर्म झरनों का उपयोग करता है और बिना मौसम के लगभग 5,000 आमों की कटाई करता है।

दुनिया के सबसे महंगे आम की पैदावार के लिए खुफिया तरीका अपनाता है किसान

नहीं करते कीटनाशक का इस्तेमाल

नाकागावा ने सर्दियों में खेती के और अधिक अप्रत्याशित लाभों की खोज की है। वह धीरे से एक पेड़ को थपथपाते हुए कहते हैं, क्योंकि हम कीटनाशकों का उपयोग नहीं करते हैं, चाय कंपनी लुपिसिया ने आम की चाय के लिए हमारी पत्तियों का उपयोग करने के बारे में मुझसे संपर्क किया है। नाकागावा अभी तक संतुष्ट नहीं हैं। उनका लक्ष्य सर्दियों में टोकाची को फल उत्पादन केंद्र में बदलने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए उसी पद्धति का उपयोग करके अन्य उष्णकटिबंधीय उपज उगाना है। इसके बाद वह एक और रसदार फल पर नजर गड़ाए हुए है जो गर्म जलवायु में फलने-फूलने के लिए जाना जाता है: आड़ू। वह कहते हैं-मुझे आम पसंद हैं, लेकिन ओह बॉय, मुझे आड़ू और भी ज्यादा पसंद हैं।

रोचक खबरें

इंतकाम : प्रेमिका ने तोड़ा रिश्ता, तो लिया धांसू बदला! बनाई खर्चों की लिस्ट और मांगा हिसाब

न्यूयार्क। जब दो लोग एक रिश्ते में होते हैं और ज़िंदगी साथ-साथ बिताने के सपने देखते हैं तो उन्हें सामने वाली की हर एक चीज़ अच्छी लगती है। प्रेमी-प्रेमिका अपना वक्त और पैसा दोनों ही अगले पर खर्च करने के लिए तैयार रहते हैं। हालांकि रिश्ता टूटते ही उनकी दरियादिली भी खत्म हो जाती है और होता है कुछ ऐसा, जैसा एक लड़की के साथ उसके एक्स ब्वॉयफ्रेंड ने किया। रिपोर्ट के मुताबिक एली नाम की एक लड़की को उसके ब्वॉयफ्रेंड ने ब्रेकअप होते ही एक लंबी-चौड़ी लिस्ट भेज दी। ये लिस्ट किसी और चीज़ की नहीं बल्कि उन खर्चों की थी, जो उसने रिलेशनशिप के दौरान अपनी गर्लफ्रेंड के ऊपर खुशी-खुशी किए थे। अब लड़का इसका आधा पैसा लड़की से मांग रहा है। एली ऑस्ट्रेलिया के एडेलेड की रहने वाली है। वो अपने पार्टनर एलेक्स के साथ रिश्ते में थी। हाल ही में उन दोनों का रिश्ता टूट गया। 22 साल की लड़की ने टिकटॉक पर इस घटना का ज़िक्र करते हुए बताया है कि उसके पूर्व प्रेमी ने उसे अब तक के खर्चों की लिस्ट लिखी है। उसके कम्प्यूटर पर पूरा ब्रेकडाउन देखा जा सकता है, जिसमें ईंधन, खाना-पानी और सिनेमा के टिकट तक का हिसाब है। वो चाहता है कि अब इन खर्चों का आधा पैसा उनकी गर्लफ्रेंड दे क्योंकि वे दोनों साथ नहीं हैं।

छप्पर फाड़ के: एक झटके में बेघर बनी 40 करोड़ की मालकिन, अब शादी रचाने ढूंढ रही दूल्हा

कैलिफ़ोर्निया। किस्मत कब चमक जाए-कहा नहीं जा सकता। यह कहावत तो हम सबने सुनी है। सपने भी बहुत देखे हैं। गाड़ी-बंगला, बैंक बैलेंस, लेकिन वही ढाक के तीन पात। लेकिन कुछ लोगों के साथ सच में ऐसा हो जाता है, जिससे लगता है कि देने वाला जब भी देता देता छप्पर फाड़ के। सोचिए एक महिला जो बेघर थी, खाने-पीने और सामान्य जीवन जीने के लिए पैसे नहीं थे, जब उसकी किस्मत खुली तो एक झटके में 40 करोड़ की मालकिन बन बैठी। मामला है अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया में रहने वाली लूसिया फोर्सेथ का। इस महिला ने हाल ही में 5 मिलियन डॉलर यानी तकरीबन 40।91 करोड़ रुपये की लॉटरी जीती है। इसके साथ ही इतना बड़ा जैकपॉट जीतने वाली वह दुनिया के चंद लोगों में शुमार हो गई है। कैलिफोर्निया लॉटरी के अधिकारियों ने जब उसके नाम का ऐलान किया तो वह बिलख-बिलखकर रोने लगी। रिपोर्ट के मुताबिक, लूसिया 2017 से बेघर हैं और इधर-उधर रहकर अपनी जिंदगी गुजार रही हैं। जब उसे पुरस्कार लेने के लिए बुलाया गया तो वहां मौजूद लोग भी दंग रह गए। लूसिया ने कहा, 6 साल पहले जब मैं बेघर हो गई थी तो कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरे जैसे व्यक्ति के साथ ऐसा होगा। लेकिन ऊपरवाला सब देखता है। लूसिया ने बताया, मेरे पास पैसे नहीं थे और मैं लॉटरी वगैरह में पैसे लगाना ठीक नहीं मानती थी। लेकिन एक दिन अचानक लगा कि लॉटरी टिकट लेनी चाहिए। शायद किस्मत खुल जाए। कॉन्ट्रा कोस्टा काउंटी में वॉलमार्ट के एक स्टोर से मैंने टिकट खरीदने का सोचा।

चुनौती: 64 की उम्र में नौजवानों का क्रश बनीं दादी, आधी उम्र के लड़के हैं फिदा

ब्रिस्बेन। बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जो दिखने में अपनी उम्र से कम लगते हैं और लोग उनकी उम्र को लेकर कनफ्यूज हो जाते हैं।हालांकि ये भ्रम इस लेवल तक अगर बढ़ जाए कि लोग आपको अपनी उम्र से आधा समझने लग जाएं तो दिक्कत भी हो सकती है।कुछ ऐसा ही हो रहा है एक 64 साल की सुपरफिट दादी के साथ, जिन आधी उम्र के लड़के भी फिदा हैं। लेस्ले मैक्सवेल नाम की महिला की उम्र 64 साल है, लेकिन वो इतनी खूबसूरत और जवां लगती हैं कि लोग उनकी असल उम्र का अंदाज़ा बिल्कुल नहीं लगा पाते हैं। उनकी स्ट्रेंथ और बॉडी लैंग्वेज कहीं से भी इस उम्र की महिलाओं जैसी नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक लेस्ले मैक्सवेल को इंस्टाग्राम पर 1 लाख 36 हज़ार से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली सुपरफिट दादी की फिटनेस देखकर लड़कियां भी एक बार शरमा जाएंगी। हालांकि इसके लिए वे पिछले 20 साल से मेहनत कर रही हैं। लेस्ले की 20 साल की फिटनेस जर्नी में उन्होंने अपने नाम 30 बॉडीबिल्डिंग टाइटल्स किए हैं।उनकी फिट और खूबसूरत बॉडी को देखकर सोशल मीडिया पर लोग उनकी तारीफ भी करते हैं, जबकि उन्हें अपने से आधी उम्र के लड़कों की ओर से शादी के प्रस्ताव भी मिलते हैं। लेस्ले बताती हैं कि शरीर को फिट रखकर परफेक्ट बॉडी कभी भी पाई जा सकती है।

यहां सुरक्षा ऐसी कि दीवारों पर दौड़ता रहता है करंट

अमेरिका की सबसे 'कीमती' बिल्डिंग रखा है देश का 42 लाख किलो सोना

वाशिंगटन। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर मुल्क है। इस मुल्क की तमाम महत्वपूर्ण धरोहर एक बिल्डिंग में रखी हुई हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बिल्डिंग की सुरक्षा व्यवस्था कैसी होगी।इस बिल्डिंग का नाम फोर्ट नॉक्स है और यह अमेरिका के केंटुकी में बनी हुई है। इस बिल्डिंग के चारों ओर सुरक्षा के कई घेरे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बिल्डिंग में अमेरिकी गोल्ड रिजर्व रखा जाता है। इसमें वह तिजोरी है जिसमें सोना रखा हुआ है। ये बिल्डिंग लगभग 16 हजार क्यूबिक फीट ग्रेनाइट और साढ़े 4 हजार याड्र्स कंक्रीट से बनी हुई है, जिसमें हजारों टन स्टील का इस्तेमाल हुआ है। बताया जाता है यहां करीब 42 लाख किलो सोना रखा हुआ है। यहां अमेरिकी स्वतंत्रता का असली घोषणा पत्र, गुटेनबर्ग की बाइबिल और अमेरिकी संविधान की असली कॉपी जैसी बेहद महत्वपूर्ण धरोहर भी सुरक्षित रखी हुई हैं। इस बिल्डिंग को बहुत ही मजबूती से बताया गया है। साल 1936 में इसे तैयार किया गया ताकि सोने का भंडार सुरक्षित रखा जा सके। इमारत की सुरक्षा के लिए इसके चारों तरफ मोटे ग्रेनाइट की दीवारें बनी हुई हैं, जिस पर करंट दौड़ता रहता है। इसके साथ ही सोने का भंडार सेफ रखने के लिए इक्का-दुक्का नहीं, बल्कि लगभग 30 हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। इनमें कुछ टुकड़ियां वे भी हैं, जो अमेरिका की सबसे मजबूत टुकड़ी मानी जाती हैं।

24 घंटे सैनिक तैनात

यहां मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी, जैसे सेंसर, कैमरा और अलार्म इन्स्टॉल्ड हैं। साथ ही मोशन डिटेक्टर लगे हुए हैं, जो किसी भी गतिविधि को तुरंत पकड़ सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां पर दुनिया की आधुनिकतम तकनीकों का इस्तेमाल हुआ है। फोर्ट नॉक्स के बेसमेंट पर शूटिंग रेंज भी है। यहां चौबीसों घंटे सैनिक तैनात होते हैं। इमारत के भीतर किस तरीके से सोना रखा गया है।

एसीबी अफसरों के विरुद्ध दर्ज एफआईआर में जांच के आदेश

बिलासपुर

हाईकोर्ट ने आलोक कुमार अग्रवाल के प्रकरण में एसीबी के अधिकारियों के विरुद्ध दर्ज एफआईआर में जांच जारी रखने का आदेश जारी किया है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने एंटी करप्शन ब्यूरो के पूर्व पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह व अन्य की याचिका पर पूर्व में लगाई रोक को भी हटाते हुए जांच जारी रखने का आदेश दिया है।

- एसीबी ने खारंग संभाग के ईई के खिलाफ दर्ज किया था मामला

इस संबंध में हाईकोर्ट में शिकायतकर्ता पवन अग्रवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता किशोर भादुड़ी एवं अधिवक्ता श्रेयांश अग्रवाल ने पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि बिलासपुर निवासी पवन कुमार अग्रवाल ने एसीबी के तत्कालीन चीफ मुकेश गुप्ता, एसीबी के एसपी रजनेश सिंह, ईओडब्ल्यू के एसपी अरविंद कुजुर, डीएसपी अशोक कुमार जोशी एवं अन्य अधिकारियों के विरूद्ध शासकीय दस्तावेजों में कूटरचना कर फर्जी दस्तावेज तैयार करने एवं कम्प्यूटर से हुबहु फर्जी एफआईआर तैयार कर कार्रवाई करने के मामले में सीजेएम न्यायालय में परिवाद दायर किया था। इसमें न्यायालय ने 24 दिसंबर 2019 को सिविल लाइन थाना बिलासपुर को दोषी अधिकारियों के विरूद्ध अपराध दर्ज करने का निर्देश दिया था। सिविल लाइन थाने में गंभीर धाराओं 120 (बी), 420, 467, 468, 471, 472, 213, 218, 166 167, 382, 380 के तहत अपराध दर्ज किया गया।

ईई के खिलाफ गलत कार्रवाई

ज्ञात हो कि एसीबी के अधिकारियों ने खारंग संभाग बिलासपुर के कार्यपालन अभियंता आलोक कुमार अग्रवाल एवं अन्य अधिकारियों पर 15 टेंडर्स में करोड़ों रुपए की अनियमितता का आरोप लगाते हुए वर्ष 2014-15 में कार्रवाई की थी। हालांकि बाद में साफ हुआ कि इन सभी टेंडर्स में आलोक अग्रवाल द्वारा कोई भी टेंडर स्वीकृत नहीं किया गया था। बाद में एसीबी के अधिकारियों ने स्वयं ही दिसंबर 2018 में किसी भी प्रकार का अपराध नहीं पाए जाने का खात्मा रिपोर्ट तैयार कर दिया था, जिसे न्यायालय में प्रस्तुत भी किया गया।

एसीबी और ईओडब्ल्यू में अपराध भी दर्ज नहीं

एसीबी ने ही स्वीकार किया कि उन टेंडर्स में परिवादी पवन कुमार अग्रवाल ने न भाग लिया था न उनको कोई भी निविदा आबंटित की गई थी। साथ ही एसीबी के अधिकारियों द्वारा जिस एफआईआर 56 / 2014 के आधार पर कार्रवाई करना दिखाया गया था वैसा कोई भी एफआईआर एसीबी, ईओडब्ल्यू रायपुर के थाने में संधारित वैध एफआईआर बुक के पन्नों में पंजीबद्ध ही नहीं है।

इस जनजाति के पैर देखकर दुनिया हैरान

डोडोमा। दुनिया में कई तरह की जनजातियां रहती हैं। ये आम लोगों की नजर से दूर रहते हैं। इस वजह से उनकी ग्रोथ बाकी के लोगों से पीछे रहती है। इन जनजातियों का रहन-सहन, बोली सब कुछ अलग होता है। मॉडर्न जमाने में जो कुछ भी हो रहा है, उससे इन लोगों का कोई लेना देना नहीं होता। कई ऐसी जनजातियां भी हैं, जो बाहर के लोगों को एंट्री नहीं देते। अगर बाहर से कोई उनके पास जाने की कोशिश करता है, तो वो लोगों पर अटैक भी कर देते हैं। हालांकि, कुछ जनजाति फ्रेंडली होते हैं और अब बदलाव को मान रहे हैं। ऐसी ही एक जनजाति है वोडोमा। तंजानिया के उत्तरी हिस्से में रहने वाली जनजाति वोडोमा अपने पैरों की वजह से चर्चा में है। इनके पैर बेहद अजीब हैं। जनजाति को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। उनके पैर कबूतर के पंजों जैसे नजर आते हैं। सिर्फ इस जनजाति के पैर देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। इनके पैर आगे की तरफ से निकले और पीछे से मुड़े हुए होते हैं। इनके पैरों का ऐसा होने के पीछे एक ख़ास वजह है। भगवान ने इन लोगों के पैरों का डिजाइन ऐसा खास कारण से बनाया है।

सीधी चढ़ाई में माहिर

वोडोमा जनजाति के पैर कबूतर की तरह होने की ख़ास वजह है। दरअसल, इस जगह रहने वाले लोगों को अपना ज्यादातर समय खड़े होकर बिताना पड़ता है। साथ ही ये एरिया चट्टान से भरा हुआ है। ऐसे में लोगों को इन पहाड़ियों पर चढ़ना पड़ता है। इनके पैरों की वजह से उन्हें चढ़ाई करने में दिक्कत नहीं होती। ये बेहद आराम से ऊंची-नीची चट्टानों पर चढ़ाई कर लेते हैं। अगर इनके पैर सामान्य होते तो उन्हें चढ़ाई में दिक्कत होती। लेकिन अपने पैरों की वजह से उन्हें सर्वाइव करने में दिक्कत नहीं होती।

मुंगेली के एक फार्म हाउस में छिपा था

गन्ने के खेत में दो किमी दौड़कर क्राइम ब्रांच ने हिस्ट्रीशिटर मैडी को पकड़ा

बिलासपुर

युवक पर जानलेवा हमला करने के बाद हिस्ट्रीशिटर साथियों के साथ मुंगेली स्थित पुरान के फार्म हाउस में छिपा हुआ था। पुलिस ने फार्म हाउस में छापा मारा तो आरोपी गन्ने के खेत में भागने लगे। क्राइम ब्रांच के सिपाहियों ने दो किलोमीटर दौड़ाकर मैडी सहित तीन आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। 6 मई की रात 1.30 बजे हैंवस पार्क होटल के सामने चकरभाठा निवासी भास्कर वर्मा पर जानलेवा हमला के मामले में हिस्ट्रीशिटर रितेश निखारे उर्फ मैडी फरार था। एसपी संतोष कुमार सिंह ने तारबाहर व क्राइम ब्रांच को उसे पकड़ने का निर्देश दिया था। उसके बाद से क्राइम ब्रांच मैडी के करीबी दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही थी। इसी बीच जानकारी मिली कि मैडी का करीबी रूपेश दुबे खाम्ही में छिपा हुआ है।

क्राइम ब्रांच टीआई धर्मेन्द्र वैष्णव, टीआई मनोज नायक, प्रधान आरक्षक बलबीर सिंह, सरफराज खान, दीपक उपाध्याय ने खाम्ही में दबिश देकर रूपेश दुबे को पकड़ लिया। कड़ाई बरतने पर उसने मुंगेली पुरान में आलोक सिंह के फार्म हाउस में मैडी व एक अन्य सहयोगी के छिपे होने की जानकारी दी। क्राइम ब्रांच ने वहां छापा मारा, फार्म हाउस के सामने स्कार्पियो खड़े कर टीम गेट खोल रही थी। इसी दौरान क्राइम ब्रांच की गाड़ी देखते मैडी एवं उसका सहयोगी कमरे से बाहर निकलकर गन्ना के खेत में भागने लगे। गन्ने के खेत में दो किलोमीटर दौड़ाकर भारी मशक्कत के बाद टीम ने मैडी एवं उसके सहयोगी को पकड़ लिया। टीम आरोपियों को लेकर शहर आई। तारबाहर पुलिस ने धारा 307, 147, 294, 506, 323, 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां तीनों को न्यायिक रिमांड में जेल भेजने का आदेश दिया गया है।

पकड़े गए आरोपी

रितेश निखारे उर्फ मैडी पिता रवि निखारे जरहाभाठा मिनीबस्ती, विराज उर्फ गोलू विदेशी ध्रुव पिता परदेशी ध्रुव तालापारा, रूपेश दुबे पिता मनहरण दुबे जरहाभाठा मिनीबस्ती।

शहर में निकाली बारात

आतंक मचाते हुए शहर में गुंडागर्दी कर जानलेवा हमला करने वाले मैडी सहित तीनों आरोपियों की जमकर खातिरदारी करने के बाद पुलिस ने गांधी चौक, गोल बाजार, सिम्स तिराहा, सत्यम चौक, अम्बेडकर चौक तक पैदल बारात निकालने के बाद जेल दाखिल किया गया है।

पूर्व में पकड़े गए थे छह आरोपी

पुलिस ने वारदात के बाद आरोपी काव्य गढ़ेवाल चकरभाठा, सिद्धार्थ शर्मा राजेन्द्रनगर, प्रिंस शर्मा उर्फ निकेत, कंस्ट्रक्शन कालोनी, आयुष मराठा चांदनी चौक कुदुदण्ड, फरीद अहमद उर्फ सोनू खान मंझवापारा, एम वरूण रेलवे कालोनी निवासी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

ये है मामला : 6 मई की रात 10 बजे चकरभाठा निवासी भास्कर वर्मा ने दोस्त नवीन गोस्वामी को फोन कर गाड़ी खराब होने की बात कहते हुए हैंवस पार्क होटल लेने के लिए बुलाया। रात 1.30 बजे वह एक्टिवा में उसे लेने के लिए गया और होटल के सामने खड़ा था। भास्कर होटल से बाहर निकलकर उसके पास पहुंचा। इसी दौरान दो कार, तीन बाइक में मैडी सहित 10 से 15 लोग आए और फरसानुमा हथियार, चाकू, बेसबाल से ताबड़तोड़ हमलाकर फरार हो गए थे।

ऐसी जिंदगी बिताना लोगों के लिए सपना

समंदर के बीच खुद के द्वीप पर रहता है अकेले

सिडनी। दुनिया में हर व्यक्ति चाहता है कि वो करोड़ों रुपये कमाए, हर सुख-सुविधा का आनंद ले और अपनी लाइफ को आसान बनाले। लोग कई मकान, जमीनें घर भी रुपयों से खरीदना चाहते हैं। पर क्या जो लोग इन चीजों को खरीद लेते हैं, वो सबसे ज्यादा खुश रहते हैं? हाल ही में एक शख्स ने इस बात का जवाब दे दिया है। ऑस्ट्रेलिया के इस व्यक्ति के पास खुद का द्वीप है, वो उसपर अकेले रहता है, जो मन चाहे वो कर सकता है। हालांकि उसका कहना है कि उसकी लाइफस्टाइल उतनी भी अच्छी नहीं है, जितना लोग समझते हैं।56 साल के क्रेग बेक्ली ऑस्ट्रेलिया के क्वीन्सलैंड के पास, वर्थिंग्टन के मालिक हैं। उन्होंने इस आइलैंड को महामारी के दौरान खरीदा था। उनका कहना है कि आइलैंड को खरीदना और उसपर रहना इतना भी ग्लैमरस नहीं है, जितना लोगों को लगता है। उन्होंने 3 करोड़ रुपयों से ज्यादा देकर इस आइलैंड को अपने नाम किया था।

अपने आशियाने में भी है मच्छरों से परेशानी

क्रेग बेक्ली ने बताया कि हर रोज उन्हें मच्छरों-कीड़ों का सामना करना पड़ता है। उन्हें अपना फ्रिज और स्टोव चलाने के लिए सोलर और विंड एनर्जी का प्रयोग करना पड़ता है, साथ ही जनरेटर चलाना पड़ता है। वहां पर कोई माध्यम भी नहीं है जिसपर वो अपनी नाव को बांध सकें, इसलिए उन्हें पेड़ों के बीच ही नाव खड़ी करनी पड़ती है। इस द्वीप की तमाम समस्याओं के बावजूद क्रेग वहीं रहना पसंद करते हैं क्योंकि वहां की जिंदगी उन्हें ज्यादा आसान और सुलझी हुई लगती है। प्राइवेट आइलैंड ऑनलाइन ऑस्ट्रेलिया के डायरेक्टर रिचर्ड वैनहॉफ ने ही इस द्वीप को बेचा था। क्रेग को बेचा हुआ द्वीप सबसे सस्ते में बिका था क्योंकि वो महामारी के दौर में बेचा गया था। कई द्वीप इससे भी महंगे बिके हैं। जो सबसे महंगा बिका था, उसकी कीमत 200 करोड़ रुपये थी। उन्होंने कहा कि लोग द्वीप तो खरीद लेते हैं पर ये नहीं समझ पाते कि उसमें काफी रिनोवेशन की जरूरत पड़ेगी। कुछ द्वीप ऐसे होते हैं जहां नाव से जाना सुविधाजनक नहीं है, इसलिए वहां जाने के लिए प्लेन का इस्तेमाल करना पड़ता है। ऐसे में कई लोगों को द्वीप पर एयरस्ट्रिप बनानी पड़ती है। द्वीप पर इंटरनेट की सुविधा नहीं होती है, बिजली या नल के पानी की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

बगैर वीजा-पासपोर्ट विदेश पहुंच गई, एयरपोर्ट हैरान

न्यू जर्सी। विदेश घूमने जाना हो तो तमाम तरह के झंझट। पासपोर्ट तो चाहिए ही, क्योंकि उसके बिना एंट्री नहीं है। वीजा आपको लेना ही होगा। उसके बगैर आप किसी देश में एक मिनट भी रुके तो अवैध कहलाएंगे। इन सबकी कई दिनों से तैयारी करनी होती है। लेकिन एक महिला बगैर वीजा-पासपोर्ट के विदेश पहुंच गई। एयरपोर्ट पर उतरी तो दंग रह गई। न्यू जर्सी की रहने वाली बेवर्ली एलिस-हेबर्ड को फ्लोरिडा जाना था। वह अक्सर फिलाडेल्फिया से जैक्सनविले स्थित अपने दूसरे घर जाती रहती हैं। हर बार वह फ्रंटियर की उड़ानें चुनती हैं। लेकिन इस बार जब वह एयरपोर्ट पहुंचीं तो एक गेट के अंदर दाखिल हुईं, जिस पर लिखा था- पीएचएल टू जेएक्स। वह जाने ही वाली थीं, तभी उन्हें लगा कि जल्दी से टायलेट आ जाती हूं। उन्होंने गेट एजेंट से पूछा, तो उसने कहा-कोई बात नहीं।

वीडीए अधिकारी के नाक के नीचे आवासीय कॉलोनी कुबेर नगर में आवासीय प्लाट पर खड़ा हो गया टावर, संबंधित मौन!

कॉलोनीवासियों ने कहा वीडीए जेई की मिलीभगत से खड़ा हुआ टावर, बार-बार शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्यवाही- कॉलोनीवासी

प्रखर वाराणसी। वाराणसी कमिश्नरेट इलाके के अनौला टकटकपुर क्षेत्र अंतर्गत आने वाली कॉलोनी कुबेर नगर में वीडीए अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध तरीके से आवासीय कॉलोनी के बीचो बीच टावर खड़ा हो गया। बता दें कि इस बाबत कॉलोनी वासियों ने कई बार संबंधित अधिकारी व वीडीए उपाध्यक्ष को पत्र द्वारा लिखित शिकायत की, लेकिन अवैध रूप से बन रहे टावर पर कोई पुख्ता कार्यवाही नहीं हुई। मामले के बाबत कॉलोनी वासियों का कहना है कि कुछ माह पूर्व शिकायत के बाद टावर का कार्य रोक दिया गया। लेकिन धीरे-धीरे चोरी-छिपे रात में या फिर भोर में कार्य करवा कर धीरे- धीरे टावर को खड़ा कर दिया गया। बार-बार शिकायत के बाद भी स्थानीय वीडीए जेई मौके पर नहीं आए और ना ही कोई उचित कार्यवाही किए। मामले के बाबत जब प्रखर पूर्वांचल ने वाराणसी विकास प्राधिकरण के भोजूबीर क्षेत्र के जेई से बात की गई तो उन्होंने कई बार गोल मटोल जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कोई अधिकारी खाली नहीं है, जिसे हम भेज कर दिखाएं, रुकिए किसी को भेजकर दिखवाने का प्रयास करते हैं। इसके पूर्व भी प्रखर पूर्वांचल द्वारा जेई से बात करने पर उन्होंने टावर लगाने वाले को नोटिस भेजने व एफआईआर करने की

बात कही, लेकिन करीब एक हफ्ता बीत जाने के बाद भी मामला जस का तस रहा और अवैध तरीके से कुबेर नगर कॉलोनी में रातों-रात टावर खड़ा हो गया। इसके अलावा वीडीए उपाध्यक्ष के सीयूजी नंबर पर कई बार उक्त मामले में उनका वर्जन जानने के लिए फोन किया गया लेकिन उनका फोन नहीं उठा। योगी सरकार का निर्देश है कि कोई भी अधिकारी अपना सीयूजी नंबर हर हाल में उठाएगा और बंद नहीं करेगा। लेकिन इसमें विपरीत वीडीए उपाध्यक्ष का कई दिनों से कई बार फोन नहीं उठना योगी सरकार के आदेश की अवहेलना को साफ तौर पर दशार्ता है। बताते चले कि जिस जगह पर टावर बना है उसके आसपास दर्जनों मकान है, जहां पर लोग काफी समय से निवास करते हैं। लोगों को कहना है कि हमें रहने में काफी दिक्कत हो रही है, इस टावर की वजह से! लेकिन स्थानीय जेई व वीडीए अधिकारियों की मिलीभगत व उनके भ्रष्टाचार से यह टावर यहां खड़ा हो गया। इसके अलावा कालोनी निवासियों का कहना है कि अगर वीडीए इस पर उचित कार्यवाही नहीं करता है तो हम लोग पीएम मोदी व सीएम योगी से गुहार लगाकर अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे। अब देखना यह है कि वीडीए इस मामले में क्या कदम उठाता है?

संक्षिप्त खबरें

कस्तूरबा विद्यालय के कर्मचारियों ने जिलाधिकारी को सौंपा मांग पत्र

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में कार्यरत पुरुष कार्मिकों का सत्र 2023 झ24 हेतु संविदा नवीनीकरण न किए जाने से पुरुष कार्मिकों ने विरोध जताया है। जिलाधिकारी को पत्रक सौपते हुए कार्मिकों ने बताया कि कस्तूरबा बालिका विद्यालय में बालिका सुरक्षा का हवाला देकर कार्यरत पुलिस पुरुष कर्मियों को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय से सेवा समाप्त किया जा रहा है। एवं 23-24 से संविदा का नवीनीकरण नहीं किए जाने के आदेश दिए गए हैं। जो मानवता के दृष्टि से पूर्णतया गलत है कर्मियों ने बताया कि पिछले लगभग 17झ18 वर्षों से बेहद अल्प मानदेय पर अपनी सेवाएं विद्यालयों में निष्ठा पूर्वक देते रहें। आज तक प्रदेश में किसी भी विद्यालय में कार्यरत पुरुष कर्मियों से किसी बालिका अथवा महिला कर्मियों को असहजता महसूस नहीं हुई। और ना ही ऐसा कोई मामला प्रकाश में आया है। सेवाएं समाप्त करने से हमारे परिवार के भूखों मरने की स्थिति हो जाएगी। पत्रक देने के दौरान पुरुष कर्मियों के साथ महीला कर्मी भी मौजूद रही। पत्रक सौंपने वालों में प्रेमा सिंह, कामयाब आलम, अशोक, गीता देवी, रामजी राम, ओम प्रकाश, इंद्रभान यादव, अजीत, आभा यादव, संजय, प्रमोद आदि शामिल रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

प्रखर केराकत जौनपुर। क्षेत्र के ग्राम नोनमठिया कुसरना निवासी प्रद्युम्न यादव 21वर्ष पुत्र सूबेदार यादव की बुधवार को पूर्वान्ह ट्रेन की चपेट में आ जाने से दर्दनाक मौत हो गयी। गौरतलब है कि प्रद्युम्न बेहद साधारण परिवार से था, और केराकत स्थित बेलकम ढाबा में काम करता था। परिजनों के मुताबिक बुधवार को पूर्वान्ह घर से केराकत ढाबे पर जाने के लिए निकला था। और जौनपुर गाजीपुर रेल राज्य मार्ग की पटरी पकड़कर पैदल ही जा रहा था। तभी किसी ट्रेन की चपेट में आकर उसकी दर्दनाक मौत हो गयी। घटना के काफी समय बीत जाने के बाद ग्रामीणों ने प्रद्युम्न के शव को देख पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुँची पुलिस ने मोबाइल और सिम के आधार पर उसकी शिनाख्त किया। और शव को पंचनामा करा पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। प्रद्युम्न की मौत से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। मृतक अपने पिता की दो पुत्री और तीन पुत्रों में सबसे छोटा था।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से 10 वर्षीय बालक की मौत

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के हडही गांव में बुधवार शाम ट्रैक्टर की चपेट में आने से 10 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस लोगों को समझाने बुझाने में जुटी परिजनों ने चालक की गिरफ्तारी की मांग उठाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने से रोक दिया है। जानकारी के अनुसार हडही गांव के निवासी राधेश्याम बिंद का 10 वर्षीय बालक अंश घर के समीप खेल रहा था इसी दौरान एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उसे रौंद दिया जिसके कारण उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई मौत की खबर लगते ही परिजनों में आक्रोश उत्पन्न हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस से परिजनों ने ट्रैक्टर चालक की गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने से मना कर दिया है परिजनों ने मांग की है कि जब तक ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा तब तक हम सब शव को नहीं ले जाने देंगे वही मामले को बिगड़ते देख घटनास्थल पर भारी पुलिस बल तैनात कर दी गई है सरायख्वाजा थाना प्रभारी द्वारा बताया गया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

निरंकारी मिशन 13 मई को मनायेगा समर्पण दिवस

प्रखर पिंडरा वाराणसी। निरंकारी मिशन बाबतपुर स्थित निरंकारी भवन समेत वाराणसी जोन के विभिन्न केंद्रों पर 13 मई को समपर्ण दिवस मनायेगा। वाराणसी जोन के इंचार्ज सिद्धार्थ शंकर सिंह ने बताया कि बाबतपुर, मलदहिया, सुंदरपुर सारनाथ व कपसेठी समेत वाराणसी जोन के 64 निरंकारी भवन पर बाबा हरदेव सिंह के निधन दिवस को समर्पण दिवस के रूप में मनायेगा। बाबतपुर स्थित निरंकारी भवन पर पूरे दिन विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे।

प्रौद्योगिकी दिवस पर मॉडल बना दिखायी नयी तकनीक

प्रखर रामनगर वाराणसी। नगर के टेंगरा मोड स्थित सी बी एस ई से सम्बंध संस्था दयावती मोदी एकेडमी में गुरुवार को राष्ट्रीय प्रधौगिकी दिवस के अवसर पर छात्रों ने विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाकर सौर्य ऊर्जा,जल से बिजली बनाने की प्रक्रिया का सजीव प्रस्तुतिकरण किया। छात्रों ने भौतिकी व मनुष्य जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी मनमोहक मॉडल बनाकर सजीव स्पष्टीकरण किया। विद्यालय के उपप्रधानाचार्य दीपक शर्मा के निर्देशन में छात्रों ने वैश्विक स्तर पर विकसित हो रही तकनीक के आधार पर विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाये। इस मॉडल प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में गाँधी हाउस की प्रचेता भारद्वाज,समीक्षा व सौम्या की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वही पटेल हाउस की आकृति,आरुषि व सावन को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। टैगोर हाउस की मौली व समृद्धि के मॉडल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार नेहरू

हाउस की रिद्धि सिंह,अनुष्का सिंह व दिव्या सिंह को मिला। सीनियर ग्रुप में नेहरू हाउस के छात्र सृजिता, विनीत व प्रीति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वही इसी हाउस के इशिता,विष्णुप्रिया व शाम्भवी के द्वारा बनाये गए मॉडल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर गांधी हाउस के अर्पिता, अदिति व हर्षित द्वारा बनाया गया मॉडल रहा। प्रतियोगिता में चयनित छात्रों को अभिप्रेरित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ रंजन रॉय ने कहा कि कोई भी देश तकनीक के सहारे ही विकसित देश की श्रेणी में पहुंचता है । उन्होंने कहा कि प्राधोगिकी विकास परिषद द्वारा पहली बार वर्ष 1999 में राष्ट्रीय प्रधौगिकी दिवस मनाया गया था जिसके बाद से हम प्रति वर्ष प्रधौगिकी दिवस मानते है। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य दीपक शर्मा, शरद श्रीवास्तव,हेड मिस्ट्रेस मंजू सिंह,अभिषेक श्रीवास्तव,अर्पिता मुखर्जी,यतेन नारायण मिश्रा आदि अध्यापकगण मौजूद रहे।

दिनदहाड़े विद्यालय का तोड़कर हजारों रूपए मूल्य का सामान उठा ले गए चोर, प्रधानाचार्या ने दी तहरीर

प्रखर जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के शीतला चौकियां स्थित चौकीपुर गांव के इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय का ताला तोड़कर चोरों ने मंगलवार दोपहर हजारों मूल्य के कीमती समानों सहित विद्यालय के आवश्यक अभिलेख उठा ले गए। सूचना मिलने पर देर शाम प्रधानाचार्या ममता श्रीवास्तव ने खण्ड शिक्षा अधिकारी को जानकारी देते हुए शीतला चौकियां पुलिस चौकी जाकर लिखित तहरीर दी। जानकारी के अनुसार मंगलवार के दिन दोपहर में 12 बजकर 30 मिनट पर विद्यालय समाप्ति के बाद सभी शिक्षक विद्यालय बंद कर घर चले गए। देर शाम लगभग सात बजे स्थानीय लोगो ने प्रधानाचार्या ममता श्रीवास्तव को विद्यालय का ताला

तोड़कर चोरी होने की सूचना दी। मौके पर प्रधानाचार्या ममता श्रीवास्तव पहुंच गई। उन्होंने बताया की स्थानीय लोगो कि भीड़ जुटी हुई थी। जाकार देखा तो विद्यालय के कमरे के ताले टूटे हुए थे। चोर कार्यालय की आलमारी तोड़कर ब्लूटूथ, स्पीकर, दो माइक हैंडसेट, स्टेशनरी, गणित, विज्ञान किट, आवश्यक अभिलेख, काफी संख्या में बोरे में भरकर बर्तन, दो बेइंग मशीन, सर्वे रजिस्टर सहित अन्य समान उठा ले गए थे। प्रधानाध्यापिका द्वारा इस घटना की सूचना 112 को दी गई व स्थानीय चौकी को तहरीर दी गई है। दिन दहाड़े हुई चोरी की घटना से आसपास लोग भयभीत हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सुहवल थाना अंतर्गत दिलदारनगर बडौरा मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किसान सीताराम सिंह कुशवाहा उम्र 63 की मौके पर मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ एकत्रित हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पत्नी आशा देवी सहित अन्य परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। जबकि गांव में घटना के बाद से ही सन्नाटा पसरा हुआ है। हादसे की जानकारी ग्रामीणों और परिजनों ने पुलिस को दी। तथा कुछ ग्रामीणों ने वाहन का पीछा करना चाहा मगर अंधेरा होने के चलते वाहन चालक तेज गति से फरार हो गया। इधर हादसे की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर एंबुलेंस के जरिए जिला मुख्यालय पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे में शामिल अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गए। मगर उसका कुछ पता नहीं चल सका। मृतक किसान के परिजनों ने बताया कि सीताराम सिंह कुशवाहा बगल के

बडौरा गांव में एक निमंत्रण में शामिल होने बाइक से गए थे। वहां से भोजन करने के बाद अकेले ही बाइक से घर वापस आ रहे थे। गांव के कुछ ही दूरी पर एक अज्ञात वाहन ने उन्हें रौद दिया। जिसके चलते उनकी मौके पर मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि मृतक के 2 पुत्र योगेश और शैलेश है जो बाहर प्राइवेट नौकरी करते हैं। जबकि दो पुत्रियां हैं जिनकी शादी हो चुकी है। बताया गया कि मृतक अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था। इस संबंध में थाना अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

रक्तदान है जीवनदान समाज की भलाई समावेशन में है: मानव रक्त फॉउंडेशन

शिविर में बीस लोगों की काउन्सलिंग हुई जिसमें से 18 रक्तवीरों ने रक्तदान किया

प्रखर वाराणसी। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अस्सी घाट पे मौजूद लोगों को जागरूक किया गया। 'काशी रक्तवीर अवार्ड' वितरण समारोह में दिखा में बिखरी सतरंगी छठा। नाव(बजड़े) पे समाज के हर तबके का प्रतिनिधि रहा मौजूद-रखी अपनी बातें। मानव रक्त फॉउंडेशन की रक्तदान जनजागरूकता मुहिम के अंतर्गत रक्तदान शिविर व जागरूकता कार्यक्रम सहित नाव पे 'काशी रक्तवीर अवार्ड' वितरण का कार्यक्रम अस्सी घाट पे सम्पन्न हुआ। जिसमें विनय सिंह ,प्रदीप इसरानी ,कुलदीप कनौजिया कैलाश जायसवाल, फादर जॉन पौल, डॉक्टर फैसल, पंकज कुमार पटेल, इशरत उस्मानी इन रक्तवीरो को "काशी रक्तवीर अवार्ड" से अलंकृत किया गया।सर सुंदरलाल हॉस्पिटल के ब्लड बैंक की टीम में श्री आशुतोष सिंह जी के सुपरविजन में एक घण्टे के अंदर 18 यूनिट रक्तदान कराया। कार्यक्रम की शुरूआत सायं 4:30 बजे से आरम्भ हुआ। प्रथम बार रक्तदान करने वाले युवाओं की भरमार रही। कुल 11 रक्तवीरों के प्रथम बार यह पुनीत कार्य किया। विश्व ज्योति जनसंचार समिति के सहयोग से प्रेरणा कला

मंच की टीम ने घाट पे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण व रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस दौरान तमाम प्रबुद्ध समाज सेवी पूर्वांचल भर से आकर वहां मौजूद रहे। आकर्षण का मुख्य बिंदु वह बजड़ा ही था-जिसपे प्रधानमंत्री से विहार कर चुके हैं-जहां माँ गंगा की गोद में उन तमाम रक्तवीरों, रक्तसेवकों, डॉक्टर्स, समाजसेवी व कलाकारों का सम्मान किया गया। नौका विहार भी किया गया। नाव पे न केवल सभी धर्मों के प्रतिनिधि मौजूद रहे बल्कि ट्रांसजेंडर समुदाय, नाविक समुदाय के भी प्रतिनिधियों की सक्रिय मौजूदगी रही। कार्यक्रम के स्पांसर-गंगेाश्री हॉस्पिटल, गुरुधाम लें न 4(डायरेक्टर-डॉ प्रदीप चौरसिया) व जेपी हॉस्पिटल, ककरमत्ता (डायरेक्टर- डॉ अजय गुप्ता)- भी मौके पे मौजूद रहे। हमेशा की तरह मुख्य व विशिष्टि अतिथि के रूप हमारे रक्तवीर व सम्मानित रक्तसेवक ही मौजूद रहे। मेडल, अंगवस्त्र व ग्लूकोज का पैकेट देकर सबके प्रति आभार व्यक्त किया गया। कहने को तो यह एक रक्तदान शिविर था, किंतु यहां से साम्प्रदायिक सौहार्द; लैंगिक समानता; सामाजिक समरसता व प्रकृति प्रथम का संदेश प्रसारित हुआ।

जहरीला पदार्थ खाकर 10वीं की छात्रा ने की आत्महत्या, प्रिंसिपल पर लगा आरोप

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मोहम्मदाबाद तहसील अंतर्गत करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के हार्टमनपुर इंटर कॉलेज मैं पढ़ने वाले कक्षा दसवीं की छात्रा ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली। छात्रा के पिता की लिखित तहरीर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य फिलिक्स राज के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

जानकारी के अनुसार रोज की तरह निक्की यादव पुत्री कैलाश यादव उम्र 16, बुधवार को भी स्कूल गई थी। उसी दौरान विद्यालय के एक कर्मचारी ने फोन कर बताया कि निक्की की तबीयत खराब है। परिजन जब विद्यालय पहुंचे तब विद्यालय के अध्यापक प्राइवेट डॉक्टर के यहां ले जाकर उसका इलाज करा रहे थे। डॉक्टर ने हालत गंभीर देखते हुए उसे

सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया। आनन-फानन में उसे बाराचवर अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने वहां से भी रेफर कर दिया। बाराचवर से मोहम्मदाबाद सीएचसी ले जाते समय रास्ते में ही निक्की की मौत हो गई। छात्रा की मौत होने के बाद परिवार के लोग छात्रा का शव लेकर करीमुद्दीनपुर

थाना पहुंचे। छात्रा के पिता कैलाश यादव ने लिखित तहरीर दिया है कि विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर फिलिक्स राज की वजह से उनकी पुत्री ने यह कदम उठाया है। छात्रा की मां शीला यादव ने बताया कि उनकी बेटी को प्रधानाचार्य कक्षा से बाहर निकाल देते थे, आए दिन उसे स्कूल आने से मना कर दिया जाता था। इस संबंध में करीमुद्दीनपुर थाना अध्यक्ष विश्वनाथ यादव ने बताया की प्रधानाचार्य फादर फिलिक्स राज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, और छानबीन की जा रही है। देर शाम मोहम्मदाबाद सीओ हितेंद्र और एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी भी थाने पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर इस केस से संबंधित जानकारी हासिल किया।

नगर निकाय चुनाव मतगणना की तैयारियों में जुटा प्रशासन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर निकाय एवं नगर पंचायत चुनाव की 13 मई को होने वाले मतगणना को लेकर जिला प्रशासन अंतिम तैयारियों में जुटा हुआ है। बताते चलें की बीते 4 मई को गाजीपुर जनपद के तीन नगरपालिकाओं और पांच नगर पंचायतों के लिए मतदान हुए थे। जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी ने समस्त आरओ, एआरओ के प्रशिक्षण कार्यक्रम में आवश्यक दिशा

निर्देश देते हुए कहा कि समयबद्धता के साथ सभी अधिकारी अपनी अपनी तैयारियां पूरी कर ले। साथ ही यह बताया की मतगणना के प्रत्येक कार्यवाही में निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन किया जाएगा। उन्होंने मतगणना कराने के संबंध में टेबल लगाने के साथ-साथ अधिकारियों से कहा की सभी संबंधित अधिकारियों के द्वारा अपनी तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ली जाए ताकि मतगणना के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या पैदा ना हो। कोई भी मतगणना अभिकर्ता, मतगणना कर्मी मोबाइल या कोई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को अपने साथ अंदर नहीं ले जा सकेंगे। प्रत्येक मतगणना टेबल पर एक मतगणना पर्यवेक्षक, तीन मतगणना सहायक, एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी उपस्थित होगा। मतगणना परिसर पूर्णतया धूम्रपान निषेध परिसर होगा। परिसर में पान मसाला, सिगरेट बीड़ी, गुटखा आदि प्रतिबंधित है। साथ ही कोई भी धारदार या ज्वलनशील पदार्थ परिसर में प्रतिबंधित है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं